



हैदराबाद विश्वविद्यालय
University of Hyderabad
School of Humanities
Department of Hindi

Syllabus of the course

Course : M.A. Hindi (Language and Literature)

Semester : 1

Course No. : HH 401

Title of the Course : History of Hindi Literature and Society (From Aadikal to Reetikal)

हिंदी साहित्य का इतिहास और समाज (आदिकाल से रीतिकाल तक)

Session : July –Nov.

Core/Optional : Core

No. of Credits : 4 (Four)

Lectures : 4 session / week (1hour/session)

Course Instructor : Dr. Bhim Singh,
Phone Number / Email :bssh@uoh.ernet.in

Introduction/परिचय :

किसी भी देश के जनमानस की मनोवृत्ति, दशा एवं संवेदना के विविध स्वरूपों का संचित रूप वहाँ के साहित्य में परिलक्षित होता है। सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक, आर्थिक आदि विभिन्न परिस्थितियों के कारण, चित्तवृत्तियों में परिवर्तन होता है, फलतः साहित्यिक रूपों में भी बदलाव आ जाता है। इस बदली हुई विकास प्रक्रिया को साहित्य के इतिहास के माध्यम से ही देखा-परखा जा सकता है। हिंदी क्षेत्र की परिस्थितियों से कमोबेश पूरा भारत प्रभावित होता रहा है, जिसकी गूँज हिंदी साहित्य में प्रतिध्वनित है। आठवीं-नवीं शताब्दी के समय से ही आधुनिक भारतीय जनभाषाओं के उदय के लक्षण स्पष्ट दिखाई देते हैं, हिंदी भाषा और उसका साहित्य भी इससे इतर नहीं है। समाज के विकास के परिदृश्य के साथ साहित्यिक सृजनशीलता के विविध रूपों, प्रवृत्तियों और भाषा-शैलियों का ज्ञान हिंदी साहित्य के इतिहास के माध्यम से ही किया जा सकता है। अतः इसका अध्ययन सर्वथा सार्थक एवं समीचीन है।

Course outline/पाठ्यविषय :

खण्ड - क

साहित्य का इतिहास-दर्शन, साहित्य के इतिहास-लेखन की पद्धतियाँ, हिन्दी साहित्य के इतिहास का काल-विभाजन और नामकरण, हिंदी साहित्येतिहास लेखन की परंपरा। (कक्षाएँ-6)

खण्ड - ख

आदिकाल : आदिकालीन परिस्थितियाँ सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक और सांस्कृतिक, सिद्ध और नाथ

साहित्य, जैन-साहित्य, रासो-साहित्य, आरंभिक गद्य और लौकिक साहित्य, अमीर खुसरो की हिन्दी कविता, विद्यापति और उनकी पदावली, भक्ति-काव्य की पूर्व-पीठिका। (कक्षाएँ-12)

खण्ड - ग

भक्तिकाल : भक्ति-आंदोलन के उदय के सामाजिक-सांस्कृतिक कारण, प्रमुख निर्गुण एवं सगुण संप्रदाय, वैष्णव भक्ति की सामाजिकसांस्कृतिक पृष्ठभूमि-, आलवार संत, प्रमुख संप्रदाय और आचार्य, भक्ति आंदोलन का अखिल भारतीय स्वरूप और उसका अंतःप्रादेशिक वैशिष्ट्य। (कक्षाएँ-8)

खण्ड - घ

हिंदी संत काव्य का वैचारिक आधार, प्रमुख निर्गुण संत कवि कबीर, नानक, दादू, रैदास; संत काव्य की प्रमुख विशेषताएँ।

हिंदी सूफी काव्य का वैचारिक आधार, हिंदी के प्रमुख सूफी कवि और काव्यमुल्ला दाऊद-, कुतुबन, मंझन, मलिक मुहम्मद जायसी, सूफी प्रेमखानों का स्वरूप, हिंदी सूफी काव्य की प्रमुख विशेषताएँ।

हिंदी कृष्ण काव्य: विविध संप्रदाय, वल्लभ संप्रदाय, अष्टछाप, प्रमुख कृष्ण भक्त कवि और काव्य, सूरदास, नंददास, मीरा, रसखान, भ्रमरगीत परंपरा और गीति परंपरा।

हिंदी राम काव्य: विविध संप्रदाय, रामभक्ति शाखा के कवि और काव्य, तुलसीदास की प्रमुख कृतियाँ, काव्यरूप और उनका महत्व। (कक्षाएँ-16)

खण्ड - ङ

रीतिकाल: सामाजिकसांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य-, रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, रीतिकालीन कवियों का आचार्यत्व, रीतिमुक्त काव्यधारा, रीतिकाल के प्रमुख कवि: केशवदास, मतिराम, भूषण, बिहारीलाल, देव, घनानंद और पद्माकर, रीतिकाव्य में लोकजीवन। (कक्षाएँ-13)

Suggested Readings / सहायक ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास- आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2. हिंदी साहित्य की भूमिका- आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
3. हिंदी साहित्य का आदिकाल- आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
4. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास-डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त
5. हिंदी साहित्य का इतिहास-सं. डॉ. नगेन्द्र, डॉ. हरदयाल
6. रीतिकाव्य की भूमिका-डॉ. नगेन्द्र
7. हिंदी साहित्य: संक्षिप्त इतिवृत्त-शिवकुमार मिश्र
8. हिंदी साहित्य का अतीत (भाग-1-2)- विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
9. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास-बच्चन सिंह
10. हिंदी साहित्य का वृहत् इतिहास (भाग-6)- डॉ. भागीरथ मिश्र
11. हिंदी काव्य की सामाजिक भूमिका- शम्भूनाथ सिंह
12. हिंदी साहित्य का आधा इतिहास-सुमन राजे

13. साहित्य और इतिहास दृष्टि-मैनेजर पाण्डेय
14. हिंदी साहित्य का सरल इतिहास- विश्वनाथ त्रिपाठी
15. साहित्य अध्ययन की दृष्टियां-सं. उदयभानु सिंह, हरभजन सिंह, रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
16. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास-रामस्वरूप चतुर्वेदी
17. साहित्य का इतिहास-दर्शन- नलिन विलोचन शर्मा
18. भाषा साहित्य और संस्कृति- सं. विमलेश कान्ति वर्मा, मालती
19. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास- डॉ. रामकुमार वर्मा
20. हिंदी साहित्य कोश (भाग-1,2)- सं. धीरेंद्र वर्मा, ब्रजेश्वर वर्मा, धर्मवीर भारती, रघुवंश

Pattern of Examination / परीक्षा का पैटर्न :

(Internal Examinations and End-Semester Exam details and evaluation pattern)

आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा : अंक-40

{लिखित (अंक-10), मौखिक (अंक-10), सेमिनार (अंक-10) में से किन्हीं दो परीक्षाओं में अर्जित सर्वोच्च अंकों का योग (10+10=20) + प्रदत्त कार्य (Assignment) के अंक-20}

सत्रांत परीक्षा : अंक-60



हैदराबाद विश्वविद्यालय
University of Hyderabad
School of Humanities
Department of Hindi

Course : M.A. Hindi (Language and Literature)

Semester : 1

Course No. : HH 402

**Title of the Course : History and structure of Hindi
(हिन्दी भाषा की संरचना एवं इतिहास)**

Session : July –Nov.

Core/Optional : Core

No. of Credits : 4 (Four)

Lectures : 4 session / week (1hour/session)

Course Instructor : Prof. S. Chaturvedi

Phone Number / Email : scsh@uohyd.ernet.in

Introduction/परिचय :

हिन्दी भाषा के उद्भव और विकास के साथ उसकी प्रमुख बोलियों का परिचय देते हुए हिन्दी भाषा की संरचना को स्पष्ट करना पाठ्यक्रम का आशय है। हिन्दी के जनपदीय, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संदर्भों के विविध आयामों का परिचय इस पाठ्यक्रम के बल पर प्राप्त किया जा सकता है। इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत संरचनात्मक भाषा विज्ञान की विश्लेषण-पद्धतियों के बल पर हिन्दी भाषा की संरचना का जो विश्लेषण किया जाता है, इसके बल पर विद्यार्थी हिन्दी भाषा प्रयोग की समस्याओं से अवगत हो जाता है। हिन्दी भाषा संप्रेषण, शिक्षण और अनुवाद पर अधिकार प्राप्त करने की दृष्टि से यह पाठ्यक्रम महत्वपूर्ण है।

Course outline / पाठ्यविषय :

I. हिन्दी भाषा का इतिहास

हिन्दी भाषा : अर्थ एवं स्वरूप : हिन्दी से तात्पर्य बोध – हिन्दी का जनपदीय, राष्ट्रीय और अन्तराष्ट्रीय संदर्भ, हिन्दी भाषा और उसकी प्रमुख बोलियाँ, हिन्दी भाषा का इतिहास, आधुनिक भारतीय आर्य भाषा के संदर्भ में हिन्दी भाषा का बाह्य इतिहास – आधुनिक युग में हिन्दी भाषा का इतिहास – देवनागरी लिपि का विकास

II. हिन्दी भाषा की संरचना

1. ध्वनि संरचना : स्वर तथा व्यंजन ध्वनियाँ : वर्गीकरण – हिन्दी की आगत ध्वनियाँ – नव विकसित ध्वनियाँ – खण्डेतर ध्वनियाँ – अक्षर और अक्षरिक संरचना – बल और बलाघात – सुर, तान और अनुतान – दीर्घता – अनुनासिकता – संहिता या संगम – स्वनिम विज्ञान और निष्पादक स्वनिम विज्ञान – स्वनिमिक नियम – हिन्दी की स्वनिमिक समस्याएँ – अ-लोप की समस्याएँ – उक्षिप्त

ध्वनियों की समस्या – महाप्राण ध्वनियों की समस्या

2. रूप शब्द और पद की संरचना – रूप की संकल्पना – प्रकार – रूप साधक और शब्द साधक रूप – रूपिम की संकल्पना – शब्द – विलोम, समरूपी, अनेकार्थी – शब्द निर्माण की प्रक्रिया – प्रकार – शब्द वर्ग – पद की संकल्पना
3. वाक्य की संरचना – भाषा संरचना में वाक्य – वाक्य का स्वरूप अध्ययन के उपागम – अर्थ परक इकाई के रूप में, संरचनापरक इकाई के रूप में, व्याकरणिक, मनोवैज्ञानिक, संदर्भपरक इकाई के रूप में – वाक्य संरचना के स्तर – पदबंध, उपवाक्य – वाक्यात्मक युक्तियाँ – शब्दक्रम, पदक्रम, कारक संबंध, अन्विति, अर्थसंगति, अध्याहार, अल्पांग वाक्य
4. वाक्य संरचना – वाक्य साँचे की संकल्पना – प्रकार्य स्थान – वाक्य विन्यासात्मक संबंध – रूपावली संबंध – अनिवार्य तथा ऐच्छिक घटक – आधारभूत वाक्य – स्वरूप और विश्लेषण – आधारभूत वाक्यों के प्रकार्य – कोप्युला वाक्य साँचा, को वाक्य साँचा, क्रिया प्रधान वाक्य – व्युत्पन्न वाक्य साँचे – पदबंध का विस्तार – ऐच्छिक घटकों का योग – लोप प्रक्रिया रूपांतरण प्रक्रिया
5. अर्थ संरचना – अर्थ की प्रकृति – नाम और रूप – अर्थ ग्रहण की प्रक्रिया – अर्थीय घटक – अर्थीय क्षेत्र – अर्थीय संबंध, पर्यायता, अनेकार्थता – अनेकार्थता की स्थिति में अर्थ निर्धारण – विलोमता (धृवीय, क्रमकीय, संबंधी, अनुवर्ती, मापक्रमीय) – वाक्य स्तर पर अर्थ विवेचन – वाक्यार्थ बोध की प्रक्रिया
6. प्रोक्ति विश्लेषण – भाषा प्रकार्य – ब्यूलर – याकोबसन – हेलिडे – भारतीय मीमांसा में भाषा का प्रकार्य – प्रोक्ति का स्वरूप – विश्लेषण – सामाजिक परिवेश – संबंध – प्रस्थिति – प्रयोजन – व्यवहार के प्रेर्तन – अभिव्यक्ति शैली – पाठ – संशक्ति – पाठ विश्लेषण

Suggested Readings / सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी भाषा का इतिहास – धीरेन्द्र वर्मा
2. भारतीय आर्य भाषाएँ और हिन्दी – सुनीतिकुमार चटर्जी
3. हिन्दी साहित्य का बृहत् इतिहास – धीरेन्द्र वर्मा, भाषा खंड, नागरी प्रचारिणी सभा वाराणसी
4. हिन्दी – उद्भव विकास और रूप – हरदेव बाहरी
5. हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास – उदयनारायण तिवारी
6. नागरी लिपि का उद्भव और विकास – ओमप्रकाश भाटिया
7. हिन्दी भाषा – भोलानाथ तिवारी
8. हिन्दी भाषा का परिचय
9. हिन्दी भाषा इतिहास – लक्ष्मी सागर, वार्ष्णेय
10. हिन्दी की शब्द सम्पदा – विद्यानिवास मिश्र
11. हिन्दी भाषा का विकासात्मक इतिहास – व्दारिका प्रसाद सक्सेना

12. हिन्दी व्याकरण – कामताप्रसाद गुरु
13. भाषाविज्ञान के सिद्धांत और हिन्दी भाषा - व्दारिका प्रसाद सक्सेना
14. भाषाविज्ञान और हिन्दी – सूरजप्रसाद अग्रवाल

Pattern of Examination / परीक्षा का पैटर्न :

(Internal Examinations and End-Semester Exam details and evaluation pattern)

आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा : अंक-40

{लिखित (अंक-10), मौखिक (अंक-10), सेमिनार (अंक-10) में से किन्हीं दो परीक्षाओं में अर्जित सर्वोच्च अंकों का योग (10+10=20) + प्रदत्त कार्य (Assignment) के अंक-20}

सत्रांत परीक्षा : अंक-60



हैदराबाद विश्वविद्यालय
University of Hyderabad
School of Humanities
Department of Hindi

Course : M.A. Hindi (Language and Literature)

Semester : 1

Course No. : HH 403

Title of the Course : Ancient and Medieval Hindi Poetry

(आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिन्दी काव्य)

Session : July –Nov.

Core/Optional : Core

No. of Credits : 4 (Four)

Lectures : 4 session / week (1hour/session)

Course Instructor : Prof. Ravi Ranjan, Prof. Alok Pandey, Prof. Gajendra Kumar Pathak, Dr. Bhim Singh

Phone Number / Email : gkpsh@uohyd.ernet.in

Introduction/परिचय :

हिन्दी साहित्य के विकास की प्रक्रिया का परिचय देते हुए इस विकास में योग देने वाले आदिकालीन और मध्यकालीन हिन्दी कवियों के पाठों का विश्लेषणात्मक परिचय देना इस पाठ्यक्रम का आशय है। आदिकालीन हिन्दी कवियों के काव्यों में जीवन के विभिन्न पक्षों का चित्रण हुआ है। परवर्ती कालों के साहित्य के विकास में उसमें अनेक परंपराएँ डाली। आधिकांलीन और मध्यकालीन कवियों के काव्य पाठों के बल पर उस समय के काव्य रूप, शैली और काव्य-शिल्प का परिचय देना पाठ्यक्रम का आशय है।

Course outline/पाठ्यक्रम की रूप-रेखा

खंड : (क)

1. विद्यापति : विद्यापति पदावली, सं. रामवृक्ष बेनीपुरी (कुल 15 पद व्याख्या के लिए)
2. कबीर : कबीर, सं. हजारीप्रसाद द्विवेदी, दोहा सं. 160-185 (कुल 25 पद व्याख्या के लिए)
3. जायसी : जायसी ग्रंथावली : सं. रामचंद्र शुक्ल, नागमती वियोग खण्ड (व्याख्या के लिए)
4. सूरदास : भ्रमरगीत सार, सं. रामचंद्र शुक्ल, पद सं. 45 से 70 (25 व्याख्या के लिए)
5. तुलसीदास : रामचरित मानस, (उत्तरकांड), गीता प्रेस, गोरखपुर (व्याख्या के लिए)
6. बिहारीलाल : बिहारी रत्नाकर, सं. जगन्नाथदास रत्नाकर (चुने हुए 25 दोहे व्याख्या के लिए)
7. घनानंद : घनानंद कवित्त, सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (कोई 25 छंद व्याख्या के लिए)

खंड : (ख)

1. कबीर : भक्ति भावना, समाज दर्शन, विद्रोह की भावना, काव्य कला
2. जायसी : प्रेम भावना, लोक तत्व, कथानक रूढ़ि, काव्य दृष्टि
3. सूरदास : भक्ति भावना, वात्सल्य वर्णन, गीति तत्व.
4. तुलसीदास : भक्ति भावना, सामाजिक –सांस्कृतिक दृष्टि, लोकमंगल, काव्य दृष्टि
5. केशव : आचार्यत्व, काव्य दृष्टि, संवाद योजना
6. बिहारी : सौंदर्य भावना, बहुज्ञता, काव्य-कला
7. भूषण : युगबोध, अन्तर्वस्तु, काव्य-कला
8. घनानंद : स्वच्छन्द योजना, प्रेम व्यंजना, काव्य दृष्टि

Suggested Readings/सहायक ग्रंथ :

1. कबीर, हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2. कबीर साहित्य की परख, परशुराम चतुर्वेदी
3. कबीर, सं. विजयेन्द्र स्नातक, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
4. सूफीमत-साधना और साहित्य, रामपूजन तिवारी, ज्ञानमण्डल, वाराणसी
5. जायसी, विजयदेव नारायण साही, हिन्दुस्तानी अकादेमी इलाहाबाद
6. सूरदास, रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा
7. सूर साहित्य, हजारी प्रसाद द्विवेदी
8. भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य, मैनेजर पाण्डेय
9. तुलसीदास, माताप्रसाद गुप्त, हिन्दी परिषद, प्रयाग
10. लोकवादी तुलसीदास, विश्वनाथ त्रिपाठी
11. मानस दर्शन, श्रीकृष्णलाल, आनंद पुस्तक भवन काशी
12. कबीर का रहस्यवाद, डॉ. राम कुमार वर्मा
13. सूरदास, ब्रजेश्वर वर्मा
14. तुलसी आधुनिक वातायन से, रमेश कुन्तल मेघ
15. तुलसी साहित्य; बदलते प्रतिमान, डॉ. चन्द्रभान रावत
16. बिहारी का नवमूल्यांकन, डॉ. बच्चन सिंह
17. लोकवादी तुलसीदास, विश्वनाथ त्रिपाठी

Pattern of Examination / परीक्षा का पैटर्न :

(Internal Examinations and End-Semester Exam details and evaluation pattern)

आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा : अंक-40

{लिखित (अंक-10), मौखिक (अंक-10), सेमिनार (अंक-10) में से किन्हीं दो परीक्षाओं में अर्जित सर्वोच्च अंकों का योग (10+10=20) + प्रदत्त कार्य (Assignment) के अंक-20}
सत्रांत परीक्षा : अंक-60



हैदराबाद विश्वविद्यालय
University of Hyderabad
School of Humanities
Department of Hindi

Course : M.A. Hindi (Language and Literature)

Semester : 1

Course No. : HH 404

Title of the Course : Modern Hindi Prose -1

(आधुनिक हिन्दी गद्य -1)

Session : July –Nov.

Core/Optional : Core

No. of Credits : 4 (Four)

Lectures : 4 session / week (1hour/session)

Course Instructor : Dr. M. Shyam Rao

Prof. Gajendra Kumar Pathak, Dr. M.

Anjaneyulu

Phone Number / Email :

msrsh@uohyd.ernet.in

Introduction/परिचय :

हिन्दी साहित्य के आधुनिक काल का परिचय देते हुए हिन्दी साहित्य में विकसित गद्य के स्वरूप का और मुख्य रूप से कथा-साहित्य का परिचय देना इस पाठ्यक्रम का आशय है। इस पाठ्यक्रम के बल पर हिन्दी साहित्य में उपन्यास और कहानी के विकास की व्यापक पृष्ठभूमि का परिचय विद्यार्थी प्राप्त कर लेगा। इसके साथ-साथ उपन्यासकार और कहानीकारों के पाठों के अध्ययन के बल पर विद्यार्थी हिन्दी कथा साहित्य की वस्तु और शिल्प का विश्लेषण सीख लेगा।

Course outline/ पाठ्यविषय :

आधुनिक गद्य साहित्य (उपन्यास और कहानी)

(क) उपन्यास

1. गोदान – प्रेमचंद
2. शेखर एक जीवनी (भाग 1)- अज्ञेय
3. बाणभट्ट की आत्मकथा – हजारीप्रसाद द्विवेदी
4. मैला आँचल - फणीश्वरनाथ रेणु

टिपण्णी : इनमें से गोदान, शेखर एक जीवनी, बाणभट्ट की आत्मकथा से व्याख्या भी पूछी जाएगी।

(ख) कहानी

(कहानियों से व्याख्या नहीं पूछी जाएगी)

1. उसने कहा था - चंद्रधर शर्मा गुलेरी
2. गुंडा - जयशंकर प्रसाद –

3. डिपुटी कलेक्टरी - अमरकांत
4. परिंदे - निर्मल वर्मा
5. राजा निरबंसिया - कमलेश्वर
6. बादलों के घेरे - कृष्णा सोबती
7. वापसी - उषा प्रियवंदा
8. तीन निगाहों की एक तस्वीर - मन्नू भंडारी
9. सलाम - ओमप्रकाश वाल्मीकि

- (ग)
1. गल्प और इतिहास, कल्पना और यथार्थ
 2. प्रेमचंद पूर्व हिन्दी उपन्यास – परीक्षा गुरु, चंद्रकांता वस्तु और शिल्प
 3. प्रेमचंद युगीन उपन्यास – गोदान, मुख्य पात्र, यथार्थ और आदर्श, वस्तु – शिल्प-वैशिष्ट्य
 4. प्रेमचंदोत्तर उपन्यास – शेखर एक जीवनी- वस्तु, शिल्पगत वैशिष्ट्य, मैला आँचल – वस्तु, शिल्प, आंचलिकता
 5. बाणभट्ट की आत्मकथा – इतिहास और संस्कृति- चेतना, भाषा-शिल्प वैशिष्ट्य
 6. प्रेमचंद, जयशंकर प्रसाद की कहानी- कला का वैशिष्ट्य
 7. प्रेमचन्दोत्तर हिन्दी कहानी और नयी कहानी – संवेदना और प्रमुख कहानी आंदोलन

Suggested Readings /सहायक ग्रंथ

1. उपन्यास और लोकजीवन – राल्फ फाक्स अनु. नरोत्तम नागर पी.पी.एच.
2. प्रेमचंद व्यक्तित्व और कृतित्व – शचीरानी गुट्टू
3. प्रेमचंद और उनका युग – रामविलास शर्मा
4. उपन्यास का उदय – आयन वॉट
5. उपन्यास स्थिति और गति – चंद्रकांत बांदिबडेकर
6. आधुनिक साहित्य और इतिहास बोध - नित्यानंद तिवारी, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
7. आधुनिक हिन्दी उपन्यास और मानवीय अर्थवत्ता – नंदकिशोर नवल
8. अधूरे साक्षात्कार – नेमिचंद जैन
9. आस्था के चरण – नगेन्द्र
10. उपन्यास का पुनर्जन्म – परमानन्द श्रीवास्तव
11. हिन्दी उपन्यास – एक अन्तर्यात्रा – रामदरश मिश्र
12. औरों के बहाने – राजेन्द्र यादव
13. एक दुनिया समानान्तर – राजेन्द्र यादव
14. कहानी स्वरूप और संवेदना - राजेन्द्र यादव
15. परिवर्तन और विकास के सांस्कृतिक आयाम – पूरनचंद जोशी

16. साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका – मैनेजर पाण्डेय
17. साहित्य की मेरी पहचान – श्यामाचरण दुबे
18. नई कहानी की भूमिका – कमलेश्वर
19. प्रगतिशील साहित्य के मानदण्ड – रांगेय राघव
20. हिन्दी उपन्यास – सुरेश सिन्हा
21. हिन्दी उपन्यास का इतिहास – गोपाल राय
22. हिन्दी कहानी का इतिहास – गोपाल राय
23. आधुनिकता – साहित्य के संदर्भ में – गंगाप्रसाद

Pattern of Examination / परीक्षा का पैटर्न :

(Internal Examinations and End-Semester Exam details and evaluation pattern)

आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा : अंक-40

{लिखित (अंक-10), मौखिक (अंक-10), सेमिनार (अंक-10) में से किन्हीं दो परीक्षाओं में अर्जित सर्वोच्च अंकों का योग (10+10=20) + प्रदत्त कार्य (Assignment) के अंक-20}

सत्रांत परीक्षा : अंक-60



हैदराबाद विश्वविद्यालय
University of Hyderabad
School of Humanities
Department of Hindi

Syllabus of the course

Course : M.A. Hindi (Language and Literature)

Semester : 2

Course No. : HH 451

Title of the Course : Renaissance, History of Modern Hindi Literature and Society
(नवजागरण, आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास और समाज)

Session : Jan –May

Core/Optional : Core

No. of Credits : 4 (Four)

Lectures : 4 session / week (1hour/session)

Course Instructor : Prof. V.Krishna, Dr. M.

Anjaneyulu, Dr. Atmaram

Phone Number / Email : vksh@uohyd.ernet.in

Introduction/परिचय :

हिन्दी साहित्य के इतिहास के आधुनिक काल का परिचय देते हुए हिन्दी साहित्य और समाज के विकास की प्रक्रिया में नवजागरण के महत्व को स्पष्ट करना इस पाठ्यक्रम का आशय है। भारत में नवजागरण के प्रभाव के अधीन आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक स्थितियों में परिवर्तन होने लगा। इस परिवर्तन का प्रभाव हिन्दी साहित्य और हिन्दी भाषा प्रयोग पर दिखाई देता है। इन प्रभावों के अधीन नई विधाओं का जन्म भी हिन्दी साहित्य के क्षेत्र में हुआ था। विद्यार्थी को आधुनिक हिन्दी साहित्य के इतिहास पर नवजागरण के प्रभाव को स्पष्ट करना इस पाठ्यक्रम का आशय है। इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के बाद नवजागरण के प्रभाव के अधीन विकसित हिन्दी साहित्य को विश्लेषित और व्याख्यायित करने की क्षमता विद्यार्थी में विकसित होगी।

Course outline / पाठ्यविषय :

1. आधुनिक काल की सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि
(1857 के स्वाधीनता संग्राम से 1947 तक का राजनैतिक इतिहास, नवजागरण)
2. भारतेन्दु युग : भारतेन्दु युग प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक प्रवृत्तियाँ
3. द्विवेदी युग : द्विवेदी युग के प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक प्रवृत्तियाँ
4. स्वच्छंदतावाद और छायावाद के प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक प्रवृत्तियाँ
5. प्रगतिवाद : उत्तर छायावादी काव्य, प्रयोगवाद, नयी कविता, नवगीत, समकालीन कविता
6. हिन्दी गद्य की प्रमुख विधाओं का उद्भव और विकास

Suggested Readings / सहायक ग्रंथ -

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास, रामचन्द्र शुक्ल

2. हिन्दी साहित्य : उद्भव और विकास, हजारीप्रसाद द्विवेदी
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास, सं. नगेन्द्र,
4. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, बच्चन सिंह
5. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास, श्रीकृष्ण लाल

Pattern of Examination / परीक्षा का पैटर्न :

(Internal Examinations and End-Semester Exam details and evaluation pattern)

आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा : अंक-40

{लिखित (अंक-10), मौखिक (अंक-10), सेमिनार (अंक-10) में से किन्हीं दो परीक्षाओं में अर्जित सर्वोच्च अंकों का योग (10+10=20) + प्रदत्त कार्य (Assignment) के अंक-20}

सत्रांत परीक्षा : अंक-60



हैदराबाद विश्वविद्यालय
University of Hyderabad
School of Humanities
Department of Hindi

Syllabus of the course

Course : M.A. Hindi (Language and Literature)

Semester : 2

Course No. : HH 452

Title of the Course : Modern Hindi Poetry

(आधुनिक हिन्दी कविता)

Session : Jan –May

Core/Optional : Core

No. of Credits : 4 (Four)

Lectures : 4 session / week (1hour/session)

Course Instructor : Dr. M. Shyam Rao, Prof. Alok

Pandey, Dr. Bhim Singh

Phone Number / Email : msrsh@uohyd.ernet.in

Introduction/परिचय :

आधुनिक हिन्दी कविता हिन्दी साहित्य की व्यापक विधा है। आधुनिक हिन्दी कवियों का काव्य फलक भी बहुत विस्तृत है। आधुनिक हिन्दी कविता की रचनाप्रवृत्तियों और शिल्पगत विशेषताओं का परिचय विद्यार्थी को देना इस पाठ्यक्रम का आशय है। इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के बल पर विद्यार्थी हिन्दी के आधुनिक कवियों का प्रवृत्तिमूलक विश्लेषण कर सकता है। विद्यार्थी की कविता संबंधी विश्लेषण सामर्थ्य का विस्तार इस पाठ्यक्रम के बल हो जाता है। विद्यार्थी आधुनिक हिन्दी कवियों की दार्शनिक दृष्टि को भी निर्धारित पाठों के बल पर समझलेगा।

Course outline / पाठ्यक्रम की रूप-रेखा :

1. मैथिलीशरण गुप्त - साकेत (नवम् सर्ग)
2. जयशंकर प्रसाद - कामायनी (चिन्ता, श्रद्धा, ईडा सर्ग)
3. सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' - राग-विराग (सं. रामविलास शर्मा), राम की शक्ति पूजा, सरोजस्मृति, कुकुरमुत्ता
4. सुमित्रानंदन पंत - परिवर्तन, नौका विहार, मौन निमंत्रण
5. महादेवी वर्मा - दीपशिखा (पंथ होने दो अपरिचित, सब बुझे दीपक जला लूँ, यह मंदिर का दीप, पूछता क्यों शेष कितनी रात)
6. दिनकर - कुरुक्षेत्र (छठा सर्ग)
7. मुक्तिबोध - अंधेरे में, ब्रह्म राक्षस
8. सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'- आँगन के पार द्वार, असाध्य वीणा, नदी के द्वीप

9. रघुवीर सहाय - रामदास, आपकी हँसी, अधिनायक
Suggested Readings / सहायक ग्रंथ
1. जय शंकर प्रसाद, नंद दुलारे वाजपेयी 2. प्रसाद का काव्य, प्रेम शंकर, भारती भंडार, 3. छायावाद, नामवर सिंह, 4. कामायनी : एक पुनर्विचार, मुक्तिबोध, 5. निराला की साहित्य साधना, (भाग 1 एवं 2), रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 6. निराला : व्यक्तित्व एवं कृतित्व, धनञ्जय वर्मा, 7. छायावाद की प्रासंगिकता, रमेशचन्द्र शाह, 8. सुमित्रानंदन पंत, नगेन्द्र
Pattern of Examination / परीक्षा का पैटर्न :
(Internal Examinations and End-Semester Exam details and evaluation pattern)
आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा : अंक-40 {लिखित (अंक-10), मौखिक (अंक-10), सेमिनार (अंक-10) में से किन्हीं दो परीक्षाओं में अर्जित सर्वोच्च अंकों का योग (10+10=20) + प्रदत्त कार्य (Assignment) के अंक-20} सत्रांत परीक्षा : अंक-60



हैदराबाद विश्वविद्यालय
University of Hyderabad
School of Humanities
Department of Hindi

Syllabus of the course

Course : M.A. Hindi (Language and Literature)

Semester : 2

Course No. : HH 453

Title of the Course : Functional Hindi

(प्रयोजनमूलक हिन्दी)

Session : Jan –May

Core/Optional : Core

No. of Credits : 4 (Four)

Lectures : 4 session / week (1hour/session)

Course Instructor : Prof. RS Sarraju

Dr. J.Atmaram

Phone Number / Email : rssarraju@gmail.com

Introduction/परिचय :

किसी भाषाई समाज में सामान्य संप्रेषण के अलावा कुछ अतिरिक्त प्रयोजनों को प्राप्त करने के लिए भी भाषा का प्रयोग होता है। हिन्दी भाषा बहुभाषी भारतीय समाज में भिन्न-भिन्न भाषा समुदायों बीच संपर्क भाषा के रूप में इस तरह के अतिरिक्त प्रयोजनों की आपूर्ति करती है। यही नहीं सेवामाध्यम और शिक्षा माध्यम के रूप में हिन्दी भाषा की अलग-अलग भूमिकाओं को दृष्टि में रखते हुए इस भाषा को प्रयोजनमूलक हिन्दी संज्ञा से अभिहित किया गया है। हिन्दी भाषा प्रयोग के विभिन्न आयामों और उसके प्रयोग के प्रयोजनों को स्पष्ट करते हुए हिन्दी भाषा में विकसित प्रयुक्तियों का परिचय देना इस पाठ्यक्रम का आशय है। साहित्येतर संदर्भों में प्रयुक्त होने वाली हिन्दी के प्रयोग की विशेषताओं मुख्य रूप से कार्यालयीन संप्रेषण में विद्यार्थी की भाषाई दक्षता को यह पाठ्यक्रम विस्तृत करता है। कम्प्यूटर के क्षेत्र में हिन्दी के अनुप्रयोगों का परिचय देते हुए हिन्दी भाषा प्रयोग की अध्ययन विशेषताओं और समस्याओं को विद्यार्थी को स्पष्ट करना रोजगार प्राप्त करने की दिशा में भाषा-प्रयोग की क्षमताओं को विकसित करना इस पाठ्यक्रम का आशय है।

Course outline / पाठ्यविषय

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी ;परिभाषा और क्षेत्र ,ज्ञान प्रधान ,सूचनात्मक और रचनात्मक साहित्य में प्रयुक्त भाषा भेद ।
2. हिन्दी का क्षेत्रीय ,अंतर्राष्ट्रीय सन्दर्भ ,राष्ट्रभाषा ,राजभाषा ,संपर्क भाषा ,शिक्षा -माध्यम भाषा ।
3. राष्ट्रभाषा और राजभाषा के रूप में हिन्दी की संवैधानिक और वास्तविक स्थिति ।
4. भाषा -नियोजन एवं भाषा -प्रबंधन ।
5. भारतीय बहुभाषिकता और हिन्दी ,हिन्दी की व्यापक संकल्पना ।

6. प्रयुक्ति का अर्थ और प्रकार |
7. प्रयोजनमूलक हिंदी की विविध प्रयुक्तियाँ |
8. प्रयुक्ति क्षेत्र -वैज्ञानिक ,तकनीकी ,कार्यालयी ,व्यावसायिक आदि |
9. विविध क्षेत्रों से सम्बंधित अभिव्यक्तियों एवं परिभाषिक शब्दावली का सामान्य परिचय |
10. हिंदी और कम्प्यूटर

Suggested Readings/ सहायक ग्रंथ :

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी, संपादक, डॉ. रवीन्द्रनाथ श्रीवस्तव, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा, 1975
2. राजभाषा हिन्दी को प्रयोग संबंधी नियम पुस्तिका, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, नई दिल्ली 1998
3. प्रयोजन मूलक हिन्दी सिद्धांत और प्रयोग, डॉ. दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 1996
4. प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयीन हिन्दी, डॉ. कृष्णकुमार गोस्वामी, कलिंगा पब्लिकेशन्स, दिल्ली, 1995
5. प्रयोजनमूल हिन्दी, विनोदगोदरे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 1987
6. कार्यालयीन हिन्दी (प्राज्ञ पाठमाला), संयोजन एवं संपादन एम. एल बहादुर सिंह, राजभाषा विभाग गृहमंत्रालय, नई दिल्ली 1989
7. प्रयोजनमूलक हिन्दी स्थिति-संदर्भ और प्रयुक्ति विश्लेषण, प्रो. आर.एस. सर्राजु, मिलिंद प्रकाशन, हैदराबाद, 2006
8. कार्यालय सहायिका, संपा. हरिबाबु कंसल आदि, केन्द्रीय सचिवालय हिन्दी परिषद् नई दिल्ली, 1994
9. कार्यालय अनुवाद की समस्याएँ, डॉ. भोलानाथ तिवारी, शब्दकार प्रका. दिल्ली, 1993
10. टिप्पणियाँ एवं प्रारूप लेखन, डॉ. शिवनारायण चतुर्वेदी, पुस्तक महल, दिल्ली, 1993

Pattern of Examination / परीक्षा का पैटर्न :

(Internal Examinations and End-Semester Exam details and evaluation pattern)

आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा : अंक-40

{लिखित (अंक-10), मौखिक (अंक-10), सेमिनार (अंक-10) में से किन्हीं दो परीक्षाओं में अर्जित सर्वोच्च अंकों का योग (10+10=20) + प्रदत्त कार्य (Assignment) के अंक-20}

सत्रांत परीक्षा : अंक-60



हैदराबाद विश्वविद्यालय
University of Hyderabad
School of Humanities
Department of Hindi

Syllabus of the course

Course : M.A. Hindi (Language and Literature)

Semester : 2

Course No. : HH 451

Title of the Course : General Linguistics

(सामान्य भाषा विज्ञान)

Session : Jan –May

Core/Optional : Core

No. of Credits : 4 (Four)

Lectures : 4 session / week (1hour/session)

Course Instructor : Prof. S. Chaturvedi

Phone Number / Email : scsh@uohyd.ernet.in

Introduction/परिचय :

भाषा विज्ञान के अध्ययन के बल पर विद्यार्थी भाषा के स्वरूप और उसकी संरचना की जागकारी प्राप्त कर लेता है। भाषा विकास के बोधक ध्वनि, रूप, अर्थ और उनके परिवर्तनों का ज्ञान प्राप्त कर लेता है। भाषा की उत्पत्ति, गठन और उसकी प्रकृति का अध्ययन करना भाषा के सम्यक अध्ययन का एक अपरिहार्य अंग है। भाषा विज्ञान का हमारे समाज और जीवन से सीधा संबंध है। भाषा संरचना से संबंधित विभिन्न नियमों एवं भाषा विकास के विविध सिद्धांतों के ज्ञान की प्राप्ति से विद्यार्थी किसी कार्य क्षेत्र में प्रतिष्ठित होने के लिए आवश्यक कार्य क्षमताओं को प्राप्त कर लेता है। प्रस्तुत पाठ्यक्रम में विद्यार्थी को भाषाविज्ञान और साहित्य के अंतःसंबंधों का भी विशेष परिचय दिया जाता है।

Course outline / पाठ्यविषय

खंड - क सामान्य भाषा विज्ञान

1. भाषा की परिभाषा, अभिलक्षण, भाषा व्यवस्था और भाषा व्यवहार,
2. भाषिक प्रकार्य, भाषा संरचना,
3. भाषाविज्ञान - स्वरूप एवं व्याप्ति,
4. भाषाविज्ञान : अध्ययन की विभिन्न पद्धतियाँ
5. भाषा और सम्प्रेषण

खंड - ख स्वन की प्रक्रिया

1. स्वन की प्रक्रिया
2. स्वनविज्ञान का स्वरूप और शाखाएँ

3. स्वन की अवधारणा
4. स्वनिम की अवधारणा
5. स्वनिम निर्धारण
6. ध्वन्यात्मक प्रतिलेखन
7. ध्वनिविज्ञान अध्ययन की उपयोगिता
8. ध्वनिविज्ञान की शाखाएँ
9. वाग् यन्त्र

खंड - ग

व्याकरण

1. रूप-प्रक्रिया का स्वरूप और शाखाएँ
2. रूपिम की अवधारणा, संरूप, परिपूरक वितरण, वाक्य की अवधारणा, अभिहितान्वयवाद और अन्विताभिधानवाद,
3. वाक्य के तत्व, वाक्य के भेद, वाक्य विश्लेषण, गहन-संरचना और बहिष्केंद्रिक संरचना

खंड - घ

अर्थविज्ञान

1. अर्थ की अवधारणा, शब्द अर्थ का संबंध
2. पर्यायता, विलोमता और अनेकार्थता
3. अर्थ परिवर्तन

खंड - ङ

भाषा विज्ञान और साहित्य

1. भाषा विज्ञान और साहित्य, साहित्य के अध्ययन में भाषाविज्ञान के अंगों की उपयोगिता,
2. साहित्य और ध्वनिविज्ञान,
3. साहित्य और रूप-विज्ञान,
4. साहित्य और वाक्य विज्ञान,
5. साहित्य और अर्थविज्ञान

Suggested Readings/ सहायक ग्रंथ -

1. सामान्य भाषाविज्ञान, वैश्ना नारंग
2. आधुनिक भाषाविज्ञान, भोलानाथ तिवारी
3. भाषाविज्ञान एवं समाजभाषा विज्ञान, गिरीश तिवारी
4. भाषा और भाषिकी, देवीशंकर व्दिवेदी
5. सामान्य भाषा विज्ञान, बाबूराम सक्सेना
6. भाषा, ब्लूमफील्ड
7. भाषा विज्ञान और हिन्दी, सूरजप्रसाद अग्रवाल

- | |
|---|
| 8. ध्वनिविज्ञान, गोलोक बिहारी ढल
9. भाषा वैज्ञानिक निबंध, हेमचन्द्र जोशी |
|---|

Pattern of Examination / परीक्षा का पैटर्न :

(Internal Examinations and End-Semester Exam details and evaluation pattern)
--

आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा : अंक-40

{लिखित (अंक-10), मौखिक (अंक-10), सेमिनार (अंक-10) में से किन्हीं दो परीक्षाओं में अर्जित सर्वोच्च अंकों का योग (10+10=20) + प्रदत्त कार्य (Assignment) के अंक-20}

सत्रांत परीक्षा : अंक-60



हैदराबाद विश्वविद्यालय
University of Hyderabad
School of Humanities
Department of Hindi

Syllabus of the course
Course : M.A. Hindi (Language and Literature)
Semester : 3

Course No. : HH 501
Title of the Course : Western Poetics and Contemporary Criticism
(पाश्चात्य काव्यशास्त्र और समकालीन आलोचना)

Session : Jan –May
Core/Optional : Core
No. of Credits : 4 (Four)
Lectures : 4 session / week (1hour/session)

Course Instructor : Dr. Bhim Singh
Phone Number / Email :bssh@uohyd.ernet.in

Introduction/परिचय :

रचना के वैशिष्ट्य और मूल्यबोध के उद्घाटन के लिए काव्यशास्त्र और साहित्यालोचन का ज्ञान अपरिहार्य है । इनसे साहित्यिक समझ विकसित होती है । वह दृष्टि मिलती है, जिसके आधार पर साहित्य के मर्म और मूल्यवत्ता की वास्तविक परख की जा सके । सामाजिक-सांस्कृतिक परिवेश के साथ रचना का आस्वाद प्राप्त करने, रचना को उसकी समग्रता में समझने और जाँचने परखने के लिए भारतीय और पाश्चात्य काव्यशास्त्र तथा हिंदी के निजी साहित्यालोचन का अध्ययन समीचीन है ।

Course outline / पाठ्यविषय :

खण्ड - क

1. प्लेटो-काव्य सिद्धांत (कक्षाएँ-3)
2. अरस्तू- अनुकरण-सिद्धांत, त्रासदी-विरेचन (कक्षाएँ-5)
3. लॉजाइनस-उदात्त की अवधारणा (कक्षाएँ-2)

खण्ड - ख

1. झांझन के काव्य-सिद्धांत (कक्षाएँ-2)
2. वर्ड्सवर्थ-काव्य-भाषा का सिद्धांत (कक्षाएँ-5)
3. कॉलरिज-कल्पना सिद्धांत और ललित कल्पना (कक्षाएँ-4)
4. मैथ्यू आर्नल्ड-आलोचना का स्वरूप और प्रकार्य (कक्षाएँ-4)

खण्ड - ग

1. टी. एस. इलियट- परंपरा की परिकल्पना और वैयक्तिक-प्रज्ञा, निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत, वस्तुनिष्ठ समीकरण, संवेदनशीलता का असाहचर्य । (कक्षाएँ-8)
2. आई. ए. रिचर्ड्स- रागात्मक अर्थ, संवेगों का संतुलन, संप्रेषण सिद्धांत, व्यावहारिक आलोचना (कक्षाएँ-5)

खण्ड - घ (सिद्धांत और वाद)

1. अभिजात्यवाद,
2. स्वच्छन्दतावाद
3. अभिव्यंजनावाद
4. मार्क्सवाद
5. मनोविश्लेषणवाद
6. अस्तित्ववाद । (कक्षाएँ-12)

Suggested Readings / सहायक ग्रंथ :

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र-देवेंद्रनाथ शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास- तारकनाथ बाली
3. पाश्चात्य साहित्य-चिंतन-निर्मला जैन, कुसुम बाँठिया, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
4. उदात्त के विषय में- निर्मला जैन
5. रिचर्ड्स के आलोचना सिद्धांत- निर्मला जैन
6. नई समीक्षा के प्रतिमान- निर्मला जैन
7. पाश्चात्य समीक्षा दर्शन- जगदीशचंद्र जैन, हिंदी प्रचारक संस्थान, वाराणसी
8. पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परंपरा-सं. डॉ. सावित्री सिन्हा
9. नई समीक्षा- अमृतराय, हिंदुस्तानी, पब्लिशिंग हाउस, बनारस
10. हिंदी आलोचना के नये वैचारिक सरोकार- कृष्णदत्त पालीवाल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
11. नये साहित्य का सौंदर्यशास्त्र-मुक्तिबोध, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
12. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा- रामचन्द्र तिवारी
13. भारतीय तथा पाश्चात्य काव्यशास्त्र का संक्षिप्त विवेचन-डॉ. सत्यदेव चौधरी, डॉ. शांतिस्वरूपगुप्त
14. साहित्यालोचनः सिद्धांत और अध्ययन-डॉ. सीतारामदीन, भारती भवन, पटना
15. हिंदी आलोचना की पारिभाषिक शब्दावली-डॉ. अमरनाथ, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

Pattern of Examination / परीक्षा का पैटर्न :

(Internal Examinations and End-Semester Exam details and evaluation pattern)

आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा : अंक-40

{लिखित (अंक-10), मौखिक (अंक-10), सेमिनार (अंक-10) में से किन्हीं दो परीक्षाओं में अर्जित सर्वोच्च अंकों का योग (10+10=20) + प्रदत्त कार्य (Assignment) के अंक-20}

सत्रांत परीक्षा : अंक-60



हैदराबाद विश्वविद्यालय
University of Hyderabad
School of Humanities
Department of Hindi

Syllabus of the course

Course : M.A. Hindi (Language and Literature)

Semester : 3

Course No. : HH 502

Title of the Course : Indian Poetics

(भारतीय काव्यशास्त्र)

Session : Jan –May

Core/Optional : Core

No. of Credits : 4 (Four)

Lectures : 4 session / week (1hour/session)

Course Instructor : Prof. S. Chaturvedi

Phone Number / Email : scsh@uohyd.ernet.in

Introduction/परिचय :

काव्य के स्वरूप और उसकी संरचना का मूल्यांकन काव्यशास्त्र करता है। भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा काव्य-विधा को विशेष दृष्टि से विश्लेषित करती है। भारतीय काव्यशास्त्रीय चिंतन में काव्य के स्वरूप, प्रयोजन, प्रकार आदि के साथ काव्य की आत्मा को देखने के सिद्धांतों का विकास किया गया है। इस पाठ्यक्रम के बल पर विद्यार्थी भारतीय काव्यशास्त्रीय परंपराओं के साथ-साथ आधुनिक कविता के विश्लेषण के मानकों का भी परिचय भी प्राप्त करेगा।

Course outline / पाठ्यविषय :

1. काव्य-लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन, काव्य के प्रकार
2. रस सिद्धांत- रस का स्वरूप, रस- निष्पत्ति, रस के अंग, साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा
3. अलंकार सिद्धांत - मूल स्थापनाएँ, अलंकारों का वर्गीकरण
4. रीति सिद्धांत - रीति की अवधारणा. काव्य-गुण, रीति एवं शैली, रीति- सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ
5. वक्रोक्ति सिद्धांत - वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति के भेद, वक्रोक्ति एवं अभिव्यज्जनावाद
6. ध्वनि सिद्धांत - ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि- सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ, ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद, गुणीभूत- व्यंग्य, चित्र-काव्य
7. औचित्य सिद्धांत - प्रमुख स्थापनाएँ, औचित्य के भेद
8. मिथक, फंतासी, कल्पना, बिम्ब, प्रतीक

Suggested Readings / सहायक ग्रंथ :

1. भारतीय साहित्य- शास्त्र, बलदेव उपाध्याय
2. संस्कृत आलोचना, बलदेव उपाध्याय
3. काव्यशास्त्र, भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी
4. भारतीय काव्यशास्त्र के नये क्षितिज, राममूर्ति त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन ,दिल्ली
5. संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास, पी.व्ही. काणे, मोतीलाल, बनारसी दास, दिल्ली
6. रस मीमांसा, रामचंद्र शुक्ल
7. रस- सिद्धांत, डॉ. नगेन्द्र
8. रस-सिद्धांत ; नये संदर्भ, आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी
9. वक्रोक्ति सिद्धांत और छायावाद, विजयेन्द्र नारायण सिन्हा
10. रीतिकाव्य की भूमिका, डॉ. नगेन्द्र

Pattern of Examination / परीक्षा का पैटर्न :

(Internal Examinations and End-Semester Exam details and evaluation pattern)

आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा : अंक-40

{लिखित (अंक-10), मौखिक (अंक-10), सेमिनार (अंक-10) में से किन्हीं दो परीक्षाओं में अर्जित सर्वोच्च अंकों का योग (10+10=20) + प्रदत्त कार्य (Assignment) के अंक-20}

सत्रांत परीक्षा : अंक-60



हैदराबाद विश्वविद्यालय
University of Hyderabad
School of Humanities
Department of Hindi

Syllabus of the course

Course : M.A. Hindi (Language and Literature)

Semester : 3

Course No. : HH 503

Title of the Course : Indian Literature

(भारतीय साहित्य)

Session : Jan –May

Core/Optional : Core

No. of Credits : 4 (Four)

Lectures : 4 session / week (1hour/session)

Course Instructor : Prof. R.S. Sarraju, Dr. M. Shyam Rao

Phone Number / Email :rssh@uohyd.ernet.in

Introduction/परिचय :

भारत एक बहुभाषी देश है। भारतीय भाषाओं के साहित्य का विकास एक भाषा पर दूसरी भाषा के पड़ने वाले आपसी प्रभावों के कारण ही हुआ था। इसलिए हिन्दी साहित्य के विकास को समझना है तो विद्यार्थी को अन्य भारतीय भाषाओं के विकास को समझना पड़ेगा। इस दृष्टि से भारतीय साहित्य की अवधारणा, उसका स्वरूप और उसके अध्ययन की समस्याओं के साथ-साथ भारतीय साहित्य के तुलनात्मक इतिहास लेखन की आवश्यकता का परिचय विद्यार्थी को प्रदान किया जाएगा। भारतीय रचनाकारों के कुछ पाठों के बल पर विद्यार्थी को भारतीय साहित्य के दार्शनिक स्रोतों का भी परिचय दिया जाएगा।

Course outline/ पाठ्यविषय :

1. भारतीय साहित्य की अवधारणा, स्वरूप, भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ-
2. भारतीय साहित्य का तुलनात्मक इतिहास, प्रवृत्तियाँ, समकालीन स्वरूप
3. नाटक : हयवदन (कन्नड़- गिरीश कर्नाड)
4. उपन्यास : १०८४ की माँ (बंगला- महाश्वेता देवी)
5. आत्मकथा : उठाईगीर (मराठी- लक्ष्मण गायकवाड़)
6. कहानी : मलयालम, तमिल, उड़िया, गुजराती, कश्मीरी, असमिया, उर्दू

Suggested Readings / सहायक ग्रंथ :

1. भारतीय साहित्य, डॉ. नगेन्द्र, 1987, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
2. भारतीय साहित्य की भूमिका, रामविलास शर्मा, 1996, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. तुलनात्मक साहित्य, प्रो. इन्द्रनाथ चौधरी, नेशनल पब्लिकेशन
4. आज का भारतीय साहित्य, साहित्य अकादमी, 1958

5. भारतीय साहित्य की अवधारणा, डॉ. शीला मिश्र, मिलिन्द प्रकाशन,
6. भारतीय साहित्य, डॉ. राम छबीला त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, 2008
7. भारतीय साहित्य अध्ययन की नई दिशाएँ, डॉ. प्रदीप श्रीधर, तक्षशिला प्रकाशन, 2010
8. भारतीय साहित्य का भाव संसार, आरसु और डॉ. परिस्मिता बरलै
9. भारतीय साहित्य की पहचान, सियाराम तिवारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
10. भारतीय साहित्य के अध्ययन की सीमाएँ, प्रो. रोहिताश्व,
11. भारतीय साहित्य स्थापनाएं और प्रस्तावनाएं, के. सच्चिदानन्दन, (हिन्दी अनुवाद)
12. भारत और यूरोप, राजकमल, प्रकाशन, 1991
13. भारतीय उपन्यास की भूमिका, तक्षशिला प्रकाशन
14. भारतीय उपन्यास साहित्य का उद्भव, आर.एस. सर्राजु, मिलिन्द प्रकाशन, 2005
15. भारतीय उपन्यास की अवधारणा और स्वरूप, आलोक गुप्त, राजपाल प्रकाशन, 2012
16. भारतीय उपन्यास की दिशाएं, सत्यकाम, सामयिक प्रकाशन, दिल्ली, 2012

Pattern of Examination / परीक्षा का पैटर्न :

(Internal Examinations and End-Semester Exam details and evaluation pattern)

आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा : अंक-40

{लिखित (अंक-10), मौखिक (अंक-10), सेमिनार (अंक-10) में से किन्हीं दो परीक्षाओं में अर्जित सर्वोच्च अंकों का योग (10+10=20) + प्रदत्त कार्य (Assignment) के अंक-20}

सत्रांत परीक्षा : अंक-60



हैदराबाद विश्वविद्यालय
University of Hyderabad
School of Humanities
Department of Hindi

Syllabus of the course

Course : M.A. Hindi (Language and Literature)

Semester : 3

Course No. : HH 521

Title of the Course : Principles of Translation

(अनुवाद सिद्धांत)

Session : Jan –May

Core/Optional : Optional (Elective)

No. of Credits : 4 (Four)

Lectures : 4 session / week (1hour/session)

Course Instructor : Dr. J. Atmaram

Phone Number / Email :

atmaramj@uohyd.ernet.in

Introduction/परिचय :

आज हर व्यक्ति विश्व के विभिन्न भागों में फैले अलग-अलग भाषा-भाषी समुदायों के साथ संपर्क स्थापित करना चाहता है। वह दूसरे भाषा भाषी समाज के उपयोगी विषयों और कार्य क्षेत्रों का ज्ञान प्राप्त करना चाहता है। इस तरह से वर्तमान समाज की विभिन्न आवश्यकताओं के कारण संप्रेषण के विविध संदर्भों में अनुवाद सामाजिक और राष्ट्रीय आवश्यकता बन गया है। इसलिए समाज की जरूरतों और अनुवाद-व्यवसाय की अपेक्षाओं को दृष्टि में रखते हुए अनुवाद के सामान्य सिद्धांत और व्यावहारिक पक्ष का परिचय देना प्रस्तुत पाठ्यक्रम का आशय है।

Course outline / पाठ्यविषय

1. अनुवाद : परिभाषा और स्वरूप
2. अनुवाद के सिद्धांत
3. अनुवाद के प्रकार
4. तकनीकी शब्दों का अनुवाद और उसके सिद्धांत
5. उपयोगी एवं वैज्ञानिक साहित्य का अनुवाद
6. साहित्यिक एवं शाब्दिक अनुवाद
7. सफल अनुवाद के तत्व
8. मुहावरे एवं लोकोक्तियों का अनुवाद
9. भाषाविज्ञान और अनुवाद

Suggested Readings / सहायक ग्रंथ :

1. अनुवाद विज्ञान : सिद्धांत और अनुप्रयोग, संपादक डॉ. नगेन्द्र, हिन्दी माध्यम कार्यन्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय
2. अनुवाद एवं भाषांतरण : संपादक : रवीन्द्र गर्गेश और कृष्णकुमार गोस्वामी, ओरियंटल ब्लैकस्वैन
3. अनुवाद : सिद्धान्त और प्रयोग - डी. गोपीनाथन,
4. अनुवाद विज्ञान - डॉ. भोलानाथ तिवारी,
5. अनुवाद : सिद्धांत और समस्याएं - रवीन्द्रनाथ श्रीवास्वत और कृष्ण कुमार गोस्वामी, आलेख प्र. दिल्ली
6. Approaches to Translation, Newmarks P. Oxford
7. Towards a science of Translation : EA Nida, 1964, Leiden
8. आज की हिन्दी : अनुवाद की समस्याएँ, आर.एस. सराजू, मिलिन्द प्रकाशन, हैदराबाद
9. अनुवाद और तत्काल भाषांतरण, विमलेशकांति वर्मा, मालती कमला, प्रकाशन विभाग
10. अनुवाद कला, डॉ. एन.ई. विश्वनाथ अय्यर, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली

Pattern of Examination / परीक्षा का पैटर्न :

(Internal Examinations and End-Semester Exam details and evaluation pattern)

आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा : अंक-40

{लिखित (अंक-10), मौखिक (अंक-10), सेमिनार (अंक-10) में से किन्हीं दो परीक्षाओं में अर्जित सर्वोच्च अंकों का योग (10+10=20) + प्रदत्त कार्य (Assignment) के अंक-20}

सत्रांत परीक्षा : अंक-60



हैदराबाद विश्वविद्यालय
University of Hyderabad
School of Humanities
Department of Hindi

Syllabus of the course

Course : M.A. Hindi (Language and Literature)

Semester : 3

Course No. : HH 522

Title of the Course : Teaching of Hindi as Second Language

(द्वितीयभाषा के रूप में हिन्दी शिक्षण)

Session : Jan –May

Core/Optional : Optional (Elective)

No. of Credits : 4 (Four)

Lectures : 4 session / week (1hour/session)

Course Instructor : Prof. V. Krishna

Phone Number / Email : vksh@uohyd.ernet.in

Introduction/परिचय :

भाषा शिक्षण हर भाषाई समाज की आवश्यकता है। आज विश्व के सभी देश भाषायी दक्षता की अनिवार्यता को स्वीकार्य कर रहे हैं। ऐसे में भाषा शिक्षण की विधियों का परिचय प्राप्त करना आवश्यक हो जाता है। भाषा का व्यवहार वास्तव में भाषा सीखने की प्रक्रिया का सहवर्ती है। व्यवस्थित समाजों में भाषा के औपचारिक शिक्षण के लिए पद्धतियों का विकास किया जाता है। आधुनिक युग की वैज्ञानिक तकनीकी और औद्योगिक आवश्यकताओं ने एकाधिक भाषाओं को प्रयोग करने की क्षमता प्राप्त करने के लिए बाध्य कर दिया है। इस पाठ्यक्रम के बल पर हिन्दी भाषा शिक्षण की प्रणालियों का परिचय दिया जाता है।

Course outline: पाठ्यविषय :

1. भाषा शिक्षण का उद्भव एवं विकास; भाषा शिक्षण की मूलभूत संधारणाएं; भाषा कौशल- श्रवण, वाचन, पाठन और लेखन; मातृभाषा(भाषा १)- द्वितीय भाषा (भाषा २) पर-भाषा व्याकरण दक्षता और सम्प्रेषण दक्षता,
2. भाषा- शिक्षण भाषा के बारे में शिक्षण और भाषा के माध्यम से शिक्षण; भाषा शिक्षण और साहित्य शिक्षण; भाषा प्रकार- भाषा शिक्षण; भाषा विज्ञान बनाम भाषा शिक्षण- भाषा शिक्षण बनाम भाषा ग्रहण; भाषा संरचनाओं की तुलना- भाषा 1 बनाम भाषा 2. व्यतिरेकी विश्लेषण भाषा 1 बनाम भाषा 2
3. द्वितीय भाषा शिक्षण की पद्धतियाँ

(1) प्रत्यक्ष पद्धति ; (2) व्याकरण पद्धति ; (3) अनुवाद पद्धति ;(4) व्याकरण अनुवाद पद्धति; (5) संदर्भ पद्धति ; (6) संभाषण पद्धति ; (7) सहजात पद्धति ;(8) सम्मिश्रण पद्धति

4. द्वितीय भाषा-शिक्षण और सामग्री-निर्माण

5. द्वितीय भाषा शिक्षण और त्रुटि- परीक्षण; भाषा मूल्यांकन और परीक्षण

6. श्रव्य-दृश्य उपकरण और द्वितीय भाषा -शिक्षण भाषा प्रयोगशाला

Suggested Readings /सहायक ग्रंथ :

1.भाषा-शिक्षण: रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव

2. Second language Teaching: Lado. 1964

3. भाषा अधिगम - मनोरमा गुप्त, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा

4. भाषा शिक्षण : सिद्धांत और प्रविधि, मनोरमा गुप्त, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा

5. Language Teaching Analysis: William F. Mackey.

6. Language lab and Language Teaching: Stack, Oxford, 1960

7. Preparation of language teaching Tapes: Michael, N. Dobbyn, Central Institute of Indian Languages, Mysore.

8. Aspects of Applied Linguistics: Dr. D.P. Patnaik, CIIL, Mysore

Pattern of Examination / परीक्षा का पैटर्न :

(Internal Examinations and End-Semester Exam details and evaluation pattern)

आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा : अंक-40

{लिखित (अंक-10), मौखिक (अंक-10), सेमिनार (अंक-10) में से किन्हीं दो परीक्षाओं में अर्जित सर्वोच्च अंकों का योग (10+10=20) + प्रदत्त कार्य (Assignment) के अंक-20}

सत्रांत परीक्षा : अंक-60



हैदराबाद विश्वविद्यालय
University of Hyderabad
School of Humanities
Department of Hindi

Syllabus of the course

Course : M.A. Hindi (Language and Literature)

Semester : 4

Course No. : HH 551

Title of the Course : Modern Hindi Prose -2

(आधुनिक गद्य साहित्य-2) नाटक, निबंध तथा गद्य की अन्य विधाएँ

Session : Jun –Nov

Core/Optional : Core

No. of Credits : 4 (Four)

Lectures : 4 session / week (1hour/session)

Course Instructor : Prof. Gajendra Kumar Phatak

Prof. Alok Pandey, Dr. Shyam, Rao

Phone Number / Email :pgsh@uohyd.ernet.in

Introduction/परिचय :

आधुनिक हिन्दी गद्य साहित्य की विविध विधाओं का पाठआधारित परिचय देना इस पाठ्यक्रम का लक्ष है। इस पाठ्यक्रम के बल पर विद्यार्थी हिन्दी की गद्य विधाओं के प्रवृत्तिपरक परिचय के साथ-साथ उनकी शिल्प विधि का भी पाठआधारित-ज्ञान प्राप्त कर लेता है। गद्य विधाओं के दार्शनिक, सामाजिक, मनोवैज्ञानिक आधारों के ज्ञान के साथ-साथ विद्यार्थी में इन गद्य विधाओं की समीक्षा करने की योग्यता को विकसित करना प्रस्तुत पाठ्यक्रम का आशय है।

Course outline/ पाठ्यविषय :

(I) गद्य की विविध विधाओं (उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध, यात्रा वृत्तांत, रेखाचित्र आदि) का उद्भव और विकास

(II) नाटक

1. अंधेर नगरी अथवा भारत दुर्दशा - भारतेन्दु
2. चंद्रगुप्त - जयशंकर प्रसाद
3. आधे-अधूरे - मोहन राकेश
4. अंधायुग - धर्मवीर भारती

(III) निबंध

1. लोकमंगल की साधनावस्था - चिन्तामणि (भाग -1) - रामचंद्र शुक्ल
2. अशोक के फूल - हजारीप्रसाद द्विवेदी
3. पगडण्डी - हरिशंकर परसाई

(IV) गद्य की विविध विधाएँ

1. श्रृंखला की कड़ियां- महादेवी वर्मा
2. आत्मकथा - सीमंतनी उपदेश - अज्ञात हिन्दू औरत
3. अरे यायावार रहेगा याद - अज्ञेय
4. डायरी - मलयज

Suggested Readings / सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी नाटक उद्भव और विकास - दशरथ ओझा, राजपाल एण्ड संस, दिल्ली
2. हिन्दी नाटक - बच्चन सिंह
3. जयशंकर प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन -जगन्नाथ प्रसाद शर्मा
4. प्रसाद के नाटक स्वरूप और संरचना - गोविन्द चातक
5. मोहन राकेश और उनके नाटक - गिरीश रस्तोगी
6. हिन्दी नाटक और रंगमंच- पहचान और परख -डॉ. इन्द्रनाथ मदान
7. हिन्दी नाटक - डॉ. बच्चन सिंह
8. भारतीय नाट्य - चिन्तन - डॉ. नगेन्द्र

Pattern of Examination / परीक्षा का पैटर्न :

(Internal Examinations and End-Semester Exam details and evaluation pattern)

आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा : अंक-40

{लिखित (अंक-10), मौखिक (अंक-10), सेमिनार (अंक-10) में से किन्हीं दो परीक्षाओं में अर्जित सर्वोच्च अंकों का योग (10+10=20) + प्रदत्त कार्य (Assignment) के अंक-20}

सत्रांत परीक्षा : अंक-60



हैदराबाद विश्वविद्यालय
University of Hyderabad
School of Humanities
Department of Hindi

Syllabus of the course

Course : M.A. Hindi (Language and Literature)
Semester : 4

Course No. : HH 552

Title of the Course : Development of Sanskrit Language and Literature
(संस्कृत भाषा और साहित्य का विकास)

Session : Jun –Nov

Core/Optional : Core

No. of Credits : 4 (Four)

Lectures : 4 session / week (1hour/session)

Course Instructor : Prof. S. Chaturvedi

Phone Number / Email : scsh@uohyd.ernet.in

Introduction/परिचय :

हिन्दी भाषा और साहित्य के विकास के इतिहास को समझने के लिए पूर्ववर्ती भाषिक और साहित्यिक परंपराओं को समझना आवश्यक है। इस पाठ्यक्रम के बल पर विद्यार्थी हिन्दी भाषा और साहित्य के विकास की पृष्ठभूमि में सक्रिय संस्कृत भाषा और साहित्य की भूमिका को समझलेगा। संस्कृत भाषा और साहित्य के परिचय के बल पर हिन्दी शब्दावली के विकास और हिन्दी साहित्य के विकास पर संस्कृत भाषा और साहित्य की परंपराओं के प्रभाव को जान लेगा। निर्धारित संस्कृत पाठों के बल पर संस्कृत भाषा और साहित्य की विशेषताओं, अभिव्यक्त पद्धतियों को जानलेगा।

Course outline/ पाठ्यविषय :

संस्कृत भाषा और साहित्य का विकास

1. संस्कृत साहित्य का संक्षिप्त परिचय
2. हितोपदेश(कुछ श्लोक) अथवा अभिज्ञानशाकुन्तलम् (चतुर्थ अंक)
3. संस्कृत व्याकरण एवं अनुवाद
4. अष्टाध्यायी - समास प्रकरण, संधि प्रकरण, कारक प्रकरण, प्रत्यय

Suggested Readings / सहायक ग्रंथ :

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास - ए. बी. कीथ- अनु. मंगलदेव शास्त्री
2. संस्कृत साहित्य का इतिहास - वरदाचार्य
3. संस्कृत साहित्य का नवीन इतिहास - कृष्ण चैतन्य, चौखम्भा प्रकाशन, वाराणसी

4. व्याकरण कौमुदी - ईश्वरचंद्र विद्यासागर
5. संस्कृत साहित्य का इतिहास - बलदेव उपाध्याय

Pattern of Examination / परीक्षा का पैटर्न :

(Internal Examinations and End-Semester Exam details and evaluation pattern)

आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा : अंक-40

{लिखित (अंक-10), मौखिक (अंक-10), सेमिनार (अंक-10) में से किन्हीं दो परीक्षाओं में अर्जित सर्वोच्च अंकों का योग (10+10=20) + प्रदत्त कार्य (Assignment) के अंक-20}

सत्रांत परीक्षा : अंक-60



हैदराबाद विश्वविद्यालय
University of Hyderabad
School of Humanities
Department of Hindi

Syllabus of the course

Course : M.A. Hindi (Language and Literature)

Semester : 4

Course No. : HH 571

Title of the Course : Critical Approaches to Literary Studies

साहित्य-अध्ययन की आलोचनात्मक दृष्टियाँ

Session : Jan –May

Core/Optional : Optional (Elective)

No. of Credits : 4 (Four)

Lectures : 4 session / week (1hour/session)

Course Instructor : Prof. Ravi Ranjan

Phone Number / Email : rrsh@uohyd.ernet.in

Introduction/परिचय :

साहित्य अध्ययन की आलोचनात्मक दृष्टियों का परिचय हिन्दी साहित्य के विद्यार्थियों को साहित्य विधाओं की अंतःवस्तु और शिल्प के विश्लेषण में सक्षम बनाएगा। साहित्य सृजन की विभिन्न प्रक्रियाओं के दार्शनिक एवं सामाजिक और मनोवैज्ञानिक पहलुओं की व्याख्या व समीक्षा विद्यार्थी में विवेचन क्षमता को उत्पन्न करेगी।

Course outline/ पाठ्यविषय :

1. काव्यशास्त्रीय दृष्टि
2. मनोविश्लेषणवादी दृष्टि
3. ऐतिहासिक-समाजशास्त्रीय दृष्टि
4. सौन्दर्यशास्त्रीय दृष्टि
5. शैलीवैज्ञानिक एवं संरचनावादी दृष्टि
6. मार्क्सवादी दृष्टि : आधार और अधिरचना, विषयवस्तु, अंतर्वस्तु और रूप, प्रतिबद्धता, अजनबियत, आत्म-परायापन
7. नई समीक्षा : विसंगति और विडम्बना, व्यापकता और गहराई, तनाव सिद्धांत, रूपवाद
8. उत्तर-आधुनिकता, विखंडनवाद, उत्तर-संरचनावाद

Suggested Readings / सहायक ग्रंथ :

1. रस सिद्धांत और सौंदर्यशास्त्र : निर्मला जैन.
2. हिन्दी आलोचना का विकास : नंदकिशोर नवल

3. इतिहास और आलोचना : नामवर सिंह
4. साहित्य और इतिहास-दृष्टि : मैनेजर पाण्डेय
5. नई समीक्षा : सं. निर्मला जैन
6. कविता के नए प्रतिमान : नामवर सिंह
7. अनभै साँचा : मैनेजर पाण्डेय
8. आलोचना के बीज शब्द : बच्चन सिंह
9. हिन्दी आलोचना : विश्वनाथ त्रिपाठी
10. वाद विवाद संवाद : नामवर सिंह
11. परम्परा का मूल्यांकन : रामविलास शर्मा
12. आलोचना से आगे : सुधीश पचौरी
13. स्त्री : मुक्ति का सपना : सं. कमला प्रसाद
14. साहित्य अध्ययन की दृष्टियाँ : सं. उदयभानु सिंह, हरभजन सिंह, रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
15. डीकंस्ट्रक्सन बनाम विखंडनवाद : पाण्डेय शशिभूषण शीतांशु

Pattern of Examination / परीक्षा का पैटर्न :

(Internal Examinations and End-Semester Exam details and evaluation pattern)

आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा : अंक-40

{लिखित (अंक-10), मौखिक (अंक-10), सेमिनार (अंक-10) में से किन्हीं दो परीक्षाओं में अर्जित सर्वोच्च अंकों का योग (10+10=20) + प्रदत्त कार्य (Assignment) के अंक-20}

सत्रांत परीक्षा : अंक-60



हैदराबाद विश्वविद्यालय
University of Hyderabad
School of Humanities
Department of Hindi

Syllabus of the course

Course : M.A. Hindi (Language and Literature)

Semester : 4

Course No. : HH 573

Title of the Course : Comparative study of Hindi and Telugu Literature

(तेलुगु और हिन्दी साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन)

Session : Jan –May

Core/Optional : Optional (Elective)

No. of Credits : 4 (Four)

Lectures : 4 session / week (1hour/session)

Course Instructor : Prof. V. Krishna,

Dr. Anjaneyulu,

Phone Number / Email : vksh@uohyd.ernet.in

Introduction/परिचय :

हिन्दी और तेलुगु क्रमशः भारत में अत्यधिक लोगों के द्वारा बोली जानेवाली भाषाएं हैं । इन दोनों साहित्यों का तुलनात्मक अध्ययन हिन्दी के विद्यार्थी के तुलनात्मक-विश्लेषण की क्षमताओं को विकसित करेगा । यह पाठ्यक्रम भारतीय परिप्रेक्ष्य में हिन्दी और तेलुगु भाषा और साहित्यों पर पढ़ने वाले आपसी प्रभावों के साथ सृजन क्षमताओं को समझने में योग देगा।

Course outline / पाठ्यविषय :

1. हिंदी एवं तेलुगु साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन
2. तेलुगु भाषा एवं साहित्य का संक्षिप्त परिचय
3. साहित्य : राष्ट्रीय साहित्य एवं विश्व साहित्य
4. मध्ययुगीन हिंदी एवं तेलुगु साहित्य की मुख्या प्रवृत्तियां : हिन्दी और तेलुगु संत साहित्य, हिन्दी और तेलुगु सगुण भक्ति काव्य,
5. हिन्दी और तेलुगु का राष्ट्रीय साहित्य
6. हिन्दी और तेलुगु साहित्य की आधुनिक प्रवृत्तियों का तुलनात्मक अध्ययन : छायावाद और भाव कविता
7. प्रगतिवाद और अभ्युदय कविता
8. नई कविता और वचन कविता
9. साठोत्तरी हिन्दी और तेलुगु साहित्य की प्रवृत्तियां
10. हिन्दी और तेलुगु साहित्य की अन्य विधाएँ : उपन्यास, कहानी, नाटक, एकांकी

11. हिन्दी और तेलुगु के प्रतिनिधि कवियों का तुलनात्मक अध्ययन
Suggested Readings / सहायक ग्रंथ :
Pattern of Examination / परीक्षा का पैटर्न : (Internal Examinations and End-Semester Exam details and evaluation pattern)
आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा : अंक-40 {लिखित (अंक-10), मौखिक (अंक-10), सेमिनार (अंक-10) में से किन्हीं दो परीक्षाओं में अर्जित सर्वोच्च अंकों का योग (10+10=20) + प्रदत्त कार्य (Assignment) के अंक-20} सत्रांत परीक्षा : अंक-60



हैदराबाद विश्वविद्यालय
University of Hyderabad
School of Humanities
Department of Hindi

Syllabus of the course

Course : M.A. Hindi (Language and Literature)

Semester : 4

Course No. : HH 573

Title of the Course : Dalit Writing in Hindi

(हिंदी में दलित-लेखन)

Session : Jan –May

Core/Optional : Optional (Elective)

No. of Credits : 4 (Four)

Lectures : 4 session / week (1hour/session)

Course Instructor : Dr. Bhim Singh

Phone Number / Email : bssh@uohyd.ernet.in

Introduction/परिचय :

वैश्विक संदर्भ में अश्वेत साहित्य ने 'ब्लैक पैथर्स मूवमेंट' के मार्फत अमानवीय प्रथाएँ, जैसे - गुलामों की खरीद-फरोख्त, रंगभेद की नीति और नस्लीय श्रेष्ठता के खिलाफ एक नई जंग छेड़ी। इस क्रम में 'अफ्रो-अमेरिकन साहित्य' ने विश्वस्तर पर साहित्य अध्येताओं का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। भारत में अमानवीय व्यवस्थाओं के खिलाफ लोकायतों, बुद्ध, सिद्ध, कबीर, रैदास, दादू, महात्मा ज्योतिबा फूले, सावित्रीबाई फूले, नारायण गुरु, डॉ. बी. आर. अंबेडकर, जैसे- सामाजिक परिवर्तनकारियों और चिंतकों ने निरंतर संघर्ष किया। उसी का प्रतिफलन हिन्दी भाषा और साहित्य में देखने को मिलता है।

दलित-साहित्य का मूल उद्देश्य-स्वाधीनता के भाव को जगाना, सामूहिकता का प्रसार और सामाजिक परिवर्तन में योग देना है। दलित-लेखन का मूल स्वर- सामाजिक न्याय की आकांक्षा, नागरिक गरिमा से जीना, शांति की पक्षधरता, करुणा व मैत्री के साथ शिक्षा की हिमायत करना है। दलित-लेखन ने व्यक्तिगत अनुभवों को सामूहिक/समाजगत बनाया है। दलित-लेखन ने हिंदी साहित्य और भाषा में कथ्य और सामाजिक प्रयुक्तियों के स्तर पर इज़ाफा ही किया है।

Course outline/ पाठ्यविषय

खण्ड - क

1. विश्व साहित्य, भारतीय साहित्य, अश्वेत साहित्य (कक्षाएँ-3)
2. भारतीय सामाजिक संरचना: वर्ण, जाति एवं वर्ग-व्यवस्था (कक्षाएँ-3)
3. दलित साहित्य-आंदोलन का उद्भव एवं विकास: दलित आंदोलन एवं दलित साहित्य का संबंध, दलित

साहित्य आंदोलन का उद्भव, दलित साहित्य की परंपरा, दलित साहित्य की परिभाषा, दलित साहित्य का वैचारिक आधार, दलित साहित्य के प्रतिमान, सौंदर्यशास्त्र एवं दलित सौंदर्यशास्त्र । (कक्षाएँ-10)

खण्ड - ख

1. हिंदी-साहित्य और हिंदी में दलित-लेखन (कक्षाएँ-2)
2. हिंदी दलित कविता (कुल 25 कविताएँ) (कक्षाएँ-16)
 1. हीरा डोम- अछूत की शिकायत
 2. मोहनदास नैमिशराय- ईश्वर की मौत, फ़सल, शब्द
 3. ओमप्रकाश वाल्मीकि- दीया, ठाकुर का कुँआ, पेड़
 4. मलखान सिंह- सुनो ब्राह्मण
 5. जयप्रकाश कर्दम- आरक्षण, वर्णवाद का पहाड़ा
 6. श्यौराज सिंह 'बेचैन'- लड़की ने डरना छोड़ दिया
 7. कँवल भारती- चिड़िया जो मारी गयी, तब, तुम्हारी निष्ठा क्या होती ?, शम्बूक
 8. सुशीला टाकभौरे- विद्रोहिणी
 9. रजनी तिलक- औरत-औरत में अंतर है, शिक्षा का परचम, बुद्ध चाहिए युद्ध नहीं
 10. अशोक भारती- शाश्वत सत्य
 11. सुदेश तनवर- सांस्कृतिक राष्ट्रवाद
 12. जयप्रकाश लीलवान- सौंदर्यबोध
 13. कावेरी- खाईयाँ
 14. राज वाल्मीकि- मैं मजदूर हूँ, मुक्ति की आवाज
 15. सूरज बडत्या- इतिहास (एक,दो,तीन)

खण्ड - ग

हिंदी दलित कहानी (कुल 10 कहानियाँ) (कक्षाएँ-10)

1. मोहनदास नैमिशराय- महाशूद्र, आवाजें
2. ओमप्रकाश वाल्मीकि- सलाम, पच्चीस चौका डेढ़ सौ, घुसपैठिए
3. जयप्रकाश कर्दम- तलाश,
4. सूरजपाल चौहान- अंगूरी
5. सुशीला टाकभौरे- सिलिया
6. कावेरी- सुमंगली
7. दयानंद बटोही-सुरंग

दलित उपन्यास (कक्षाएँ-2)

1. जयप्रकाश कर्दम- छप्पर

खण्ड - घ

दलित आत्मकथा (कक्षाएँ-4)

1. ओमप्रकाश वाल्मीकि- जूठन

दलित नाटक (कक्षाएँ-2)

1.माताप्रसाद- वीरांगना झलकारी बाई खण्ड - ड दलित विमर्श (कक्षाएँ-5) 1.डॉ. धर्मवीर 2. डॉ. एन. सिंह 3. डॉ. तेजसिंह 4. कँवल भारती दलित साहित्य में स्त्री-लेखन: परिचय (कक्षाएँ-3)
Suggested Readings/सहायक ग्रंथ : 1. भारतीय दलित साहित्य का विद्रोही स्वर, सं. विमल थोरात, सूरज बडत्या, आई. आई. डी. एस. नई दिल्ली के लिए रावत पब्लिकेशन्स, जयपुर द्वारा प्रकाशित, प्र. सं. 2008. 2. दलित निर्वाचित कविताएं, सं. कँवल भारती, साहित्य उपक्रम, इतिहास बोध प्रकाशन, इलाहाबाद, प्र.सं.2006. 3. वज्र-सूची, अश्वघोष, सं. एवं व्याख्याकार, डॉ. रामायण प्रसाद द्विवेदी, चौखम्बा अमरभारती प्रकाशन, वाराणसी, प्र. सं.1985. 4. गुलामगिरी, महात्मा ज्योतिराव फूले, सं. एस. एस. गौतम, अनु. डॉ. अनिल सूर्या, गौतम बुक सेंटर, दिल्ली, प्र.सं.2007 5. जाति व्यवस्था: मिथक, वास्तविकता और चुनौतियाँ, सच्चिदानंद सिन्हा, अनु. अरविंद मोहन, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, प्र.सं.2006. 6. डॉ. अम्बेडकर-‘संपूर्ण वाङ्मय’ (खण्ड-1-22), डॉ. अम्बेडकर प्रतिष्ठान, कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली, द्वि. सं. 1998. 7. आम्बेडकर से दोस्ती-समता और मुक्ति, सं.सुभाष चंद्र, साहित्य उपक्रम, इतिहास बोध प्रकाशन, इलाहाबाद, प्र.सं.2007. 8. भारतीय चिंतन परंपरा, के. दामोदरन, पीपुल्स पब्लिशिंग हाऊस (प्रा.)लि. नई दिल्ली, चौ.सं.2001. 9. भगत सिंह के संपूर्ण दस्तावेज, सं.चमनलाल, आधार प्रकाशन, पंचकूला, हरियाणा, द्वि.सं.2005. 10. दलित साहित्य का समाजशास्त्र (आलोचनात्मक अध्ययन), डॉ. हरिनारायण ठाकुर, भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली, द्वि.सं.2010. 11. सत्ता संस्कृति और दलित सौंदर्यशास्त्र, सूरज बडत्या, भारतीय दलित अध्ययन संस्थान के लिए अनामिका पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स (प्रा.) लि. द्वारा प्रकाशित, नई दिल्ली, प्र.सं.2010. 12. आधुनिक साहित्य में दलित विमर्श, देवेन्द्र चौबे, ओरियंट ब्लैकस्वॉन प्रा.लि., हैदराबाद, प्र.सं.2009. 13. मीडिया: उत्तर आधुनिक अस्पृश्यता के दौर में (निबंध-संग्रह), डॉ.श्यामराज सिंह ‘बेचैन’, साहित्य संस्थान, गाजियाबाद, प्र.सं.2010. 14. हिंदी दलित साहित्य: रचना और विचार, सं. डॉ. पुरुषोत्तम सत्यप्रेमी, अतिश प्रकाशन, दिल्ली, प्र.सं.1997. 15. आधुनिकता के आईने में दलित, सं. अभय कुमार दुबे, सी.एस.डी.एस. एवं वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, प्र.सं.2002. 16. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र, ओमप्रकाश वाल्मीकि, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा.लि., नई दिल्ली,

प्र.सं.2001.

17. मैं हिंदू क्यों नहीं हूँ (हिंदुत्व दर्शन, संस्कृति और राजनीतिक अर्थशास्त्र की एक शूद्र आलोचना), ले.कांचा इलैया, अनु.मुकेश मानस, आरोही बुक ट्रस्ट, दिल्ली, प्र.सं.2003.
18. भारतीय दलित साहित्य: एक परिचय, डॉ. तेजस्वी कट्टीमनी, वाल्मीक प्रकाशन, नई दिल्ली, प्र.सं. 2002.
19. कबीर के आलोचक, धर्मवीर, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, प्र.सं. 1997.
20. आज का दलित साहित्य, डॉ. तेज सिंह, अतिश प्रकाशन, दिल्ली, प्र.सं.2000.
21. नवें दशक की हिंदी दलित कविता, सं. रजत रानी 'मीनू', दलित साहित्य प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली, प्र.सं.1996.
22. दलित विमर्श की भूमिका, कंवल भारती, साहित्य उपक्रम, इतिहास बोध प्रकाशन, इलाहाबाद, प्र.सं. 2002.
23. दलित साहित्य की भूमिका, हरपाल सिंह 'अरुष', जवाहर पुस्तकालय, मथुरा, प्र.सं.2005.
24. दलित आंदोलन के विविध पक्ष, शत्रुघ्न कुमार, आकाश पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स, गाजियाबाद, प्र.सं.2004.
25. उत्तर आधुनिकता और दलित साहित्य, कृष्णदत्त पालीवाल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, प्र.सं.2008.
26. दूसरी दुनिया का यथार्थ, सं. रमणिका गुप्ता, नवलोकन प्रकाशन, हजारीबाग, प्र.सं.1997.
27. दलित कहानी संचयन, सं. रमणिका गुप्ता, साहित्य अकादमी, दिल्ली, प्र.सं. 2003.
28. जूठन, ओमप्रकाश वाल्मीकि, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा.लि., दिल्ली, प्र.सं.1997.
29. पदचाप (कविता-संग्रह), रजनी तिलक, निधि बुक्स, पटना, प्र.सं.2008.
30. गूँगा नहीं था मैं (कविता-संग्रह), डॉ. जयप्रकाश कर्दम, अतिश प्रकाशन, दिल्ली, प्र.सं.1997.
31. सुनो ब्राह्मण (कविता-संग्रह), मलखान सिंह, बोधिसत्व प्रकाशन, रामपुर, प्र.सं.1996.
32. तब तुम्हारी निष्ठा क्या होती ? (कविता-संग्रह), कंवल भारती, बोधिसत्व प्रकाशन, रामपुर, प्र.सं.1996.
33. छप्पर, जयप्रकाश कर्दम, संगीता प्रकाशन, दिल्ली, प्र.सं.1994.
34. Poisoned Bread (Translations from Modern Marathi Dalit Literature), Edited By- Arjun Dangle, Orient Black swan Pvt. Ltd. Hyderabad, First Published, 2009.
35. Dalit Personal Narratives, Reading Caste, Nation and Identity, Raj kumar, Orient Black swan Pvt. Ltd. Hyderabad, First Published, 2010.
36. Dalits and Religion, Edited By- D. Murali Manohar, Atlantic Publishers & Distributors (P) LTD, New Delhi, First Published, 2009.

Pattern of Examination / परीक्षा का पैटर्न :

(Internal Examinations and End-Semester Exam details and evaluation pattern)

आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा : अंक-40

{लिखित (अंक-10), मौखिक (अंक-10), सेमिनार (अंक-10) में से किन्हीं दो परीक्षाओं में अर्जित सर्वोच्च अंकों का योग (10+10=20) + प्रदत्त कार्य (Assignment) के अंक-20}

सत्रांत परीक्षा : अंक-60



हैदराबाद विश्वविद्यालय
University of Hyderabad
School of Humanities
Department of Hindi

Syllabus of the course

Course : M.A. Hindi (Language and Literature)

Semester : 4

Course No. : HH 575

Title of the Course : Literature, Cinema and Society
(साहित्य, सिनेमा और समाज)

Session : Jan –May

Core/Optional : **Optional (Elective)**

No. of Credits : 4 (Four)

Lectures : 4 session / week (1hour/session)

Course Instructor : Prof. Alok Pandey

Phone Number / Email : apsh@uohyd.ernet.in

Introduction/परिचय :

साहित्य और सिनेमा के अंतःसंबंधों को स्पष्ट करना और परस्पर प्रभावों अध्ययन के बल पर बेहतर समाज के निर्माण की दिशा में बढ़ना आज की आवश्यकता है । यह पाठ्यक्रम विद्यार्थी को सिनेमा माध्यम की विशेषताओं का परिचय देता है । साहित्य आधारित सिनेमा निर्माण के स्वरूप की ओर ध्यान आकृष्ट करता है । विद्यार्थी को इन दोनों प्रमुख कला विधाओं की सामाजिक, साँस्कृतिक भूमिकाओं को स्पष्ट करता है ।

Course outline / पाठ्यविषय :

1. साहित्य व्यावसायिक पक्ष, प्रभाव, भूमिका, स्वरूप
2. सिनेमा, स्वरूप, प्रकृति
3. हिन्दी : हिन्दी, भारतीय, अमेरिकी, यूरोपीय
4. सिनेमा और समाज : विविध आयाम
5. कला सिनेमा बनाम लोकप्रिय सिनेमा
6. सिनेमा : व्यवसाय, उद्योग
7. सिनेमा में साहित्य गीत और संवाद, पटकथा, कथा
8. सिने पत्रकारिता और सिने समीक्षा
9. साहित्य आधारित सिनेमा : भारत और विश्व
10. हिन्दी सिनेमा और हिन्दी साहित्य
11. साहित्य का सिनेमा में रूपांतरण : विविध परिप्रेक्ष्य
12. साहित्य, सिनेमा और समाज : अन्तःसंबंध और अन्तः प्रभाव
13. भविष्य का सिनेमा और सिनेमा का भविष्य

Suggested Readings सहायक ग्रंथ :

1. भारतीय चलचित्र का इतिहास, फिरोज रंगूलवाला, राजपाल एण्ड संस्, दिल्ली
2. भारतीय फिल्मों की कहानी, श्री बच्चा, राजपाल एण्ड संस्, दिल्ली
3. हिन्दी चलचित्रों में साहित्यिक उपादान, विश्वनाथ वाराणसी, हिन्दी प्रचारक संस्थान
4. सिनेमा एक समझ, विनोद भरद्वाज, सं. म.न.वि.फि.प्र.
5. सिनेमा की संवेदना, दिल्ली, प्रतिभा प्रतिष्ठान : विजय अग्रवाल
6. सिनेमा और संस्कृति, राही मासूम रजा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
7. चलचित्र : कल और आज, राजपाल एण्ड संस्, सत्यजित राय, दिल्ली
8. भारतीय सिने सिद्धान्त, राधा कृष्ण प्रकाशन, अनुपम ओझा, दिल्ली
9. Indian film: Barnaw, Ee, Oxford press, New York
10. Cinema and I: Rhitwik Ghatak, Roopa Publication, Kolkata
11. How to Read a Film: Monaco, James, oxford University press, New York
12. Ideology of Indian Cinema : Madhav Prasad, Oxford university Press, New York
13. Our films, Their films : Satyajit Ray, Oriental Longman limited, Delhi
14. Film is Art: Ernhelm Rudolm, Roopa and Company, Kolkata
15. Reflection of Indian Cinema : Ed. Shivkumar Vasudev, ICCR, Delhi

Pattern of Examination / परीक्षा का पैटर्न :

(Internal Examinations and End-Semester Exam details and evaluation pattern)

आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा : अंक-40

{लिखित (अंक-10), मौखिक (अंक-10), सेमिनार (अंक-10) में से किन्हीं दो परीक्षाओं में अर्जित सर्वोच्च अंकों का योग (10+10=20) + प्रदत्त कार्य (Assignment) के अंक-20}

सत्रांत परीक्षा : अंक-60



हैदराबाद विश्वविद्यालय
University of Hyderabad
School of Humanities
Department of Hindi

Syllabus of the course

Course : M.A. Hindi Language and Literature (with specialization in Functional Hindi and Translation)

Semester : 4

Course No. : HF 532

Title of the Course : Lexicography and Semantics

(कोश विज्ञान तथा अर्थ विज्ञान)

Session : Jun –Nov

Core/Optional : Core

No. of Credits : 4 (Four)

Lectures : 4 session / week (1hour/session)

Course Instructors : Dr. Bhim Singh,

Dr. J. Atmaram

Phone Number / Email : bssh@uohyd.ernet.in

Introduction/ परिचय :

‘कोशविज्ञान’ कोश निर्माण की सैद्धांतिकी के रूप में आज के बहुभाषाभाषी विश्वग्राम में एक अत्यंत उपयोगी शास्त्र है । भाषाविज्ञान के विभिन्न अंगभूत, शास्त्रों और शाखाओं- ध्वनिविज्ञान, लिपिविज्ञान, रूपविज्ञान, अर्थविज्ञान और ऐतिहासिक भाषाविज्ञान के समेकित अनुप्रयोग पर आधारित यह शास्त्र कोश-निर्माण के विभिन्न पक्षों, कोश के प्रकारों, कोश-निर्माण की प्रक्रिया, कोश की समस्याओं आदि से अध्येता को अवगत कराते हुए आवश्यक अंतर्दृष्टि प्रदान करता है । कोश निर्माण का इतिहास (भारतीय एवं पाश्चात्य संदर्भ में), कोश निर्माण में राज्य शासन की भूमिका, कोश और अनुवाद तथा अर्थ निर्धारण के व्यावसायिक पक्ष पर यह पाठ्यक्रम केंद्रित होगा ।

Course outline / पाठ्यविषय

खण्ड क: कोश की संकल्पना, स्वरूप और कोश परंपरा (कक्षाएँ-20)

1. कोश की संकल्पना (कक्षाएँ-2)
2. कोश विज्ञान अथवा कला (कक्षाएँ-2)
3. कोश विज्ञान का अन्य अनुशासनों से संबंध (कक्षाएँ-2)
4. कोश की उपयोगिता (कक्षाएँ-2)
5. कोश निर्माण का भारतीय ऐतिहासिक संदर्भ (कक्षाएँ-4)
6. हिंदी कोश परंपरा (कक्षाएँ-4)
7. पाश्चात्य कोश परंपरा (कक्षाएँ-4)

खण्ड ख: कोश-निर्माण की प्रक्रिया, अर्थ-पक्ष और कोश के प्रकार (कक्षाएँ-20)

1. कोश-निर्माण की प्रक्रिया और अर्थ-पक्ष: सामग्री संकलन, प्रविष्टि, वर्गीकरण, वर्तनी, उच्चारण, अर्थ, परिभाषा, अर्थ के प्रकार, अर्थ क्षेत्र, सिद्धांत, एकार्थी-अनेकार्थी, सहप्रयोग की संकल्पना और कोश, कोश निर्माण में राज्य शासन की भूमिका । (कक्षाएँ-12)
2. कोश के प्रकार: समभाषिक कोश, पर्यायवाची कोश, द्वि/त्रि भाषिक कोश, अध्येता कोश, विषय कोश, विश्व कोश, पारिभाषिक कोश, शब्दावली एवं समान्तर कोश (थिसारस)(कक्षाएँ-8)

खण्ड ग: कोश, अनुवाद, प्रतीक एवं अर्थ विज्ञान (कक्षाएँ-16)

1. कोश और अनुवाद (कक्षाएँ-2)
2. अर्थ निर्धारण एवं अनुवाद (कक्षाएँ-2)
3. भाषा में प्रतीकार्थ (प्रतीक+अर्थ) का अध्ययन (कक्षाएँ-2)
4. अर्थ विज्ञान एवं प्रतीक विज्ञान: स्वरूप एवं क्षेत्र (कक्षाएँ-4)
5. भाषा प्रयोग में अर्थ का निर्धारण एवं ग्रहण: प्रयोक्ता, माध्यम, प्रोक्ति के प्रकार(कक्षाएँ-2)
6. भाषा के प्रकार्य: सूचनात्मक, पारस्परिक, काल्पनिक (काव्यात्मक) । (कक्षाएँ-2)
7. अर्थ के पहलू: प्रयोगात्मक, पारस्परिक, तर्कात्मक, पाठपरक (कक्षाएँ-1)
8. संप्रेषण के तत्व: तथ्य, आज्ञा, भावना, तर्क, रिवाज, जादू, पूछताछ, शुद्ध आनंद, संगीत (कक्षाएँ-1)

Suggested Readings: सहायक ग्रंथ :

- 1.कोश-विज्ञान, डॉ. देवेंद्र वर्मा, विश्वभारती प्रकाशन, नागपुर, प्रथम संस्करण 2003 ।
- 2.कोश- विज्ञान, डॉ. भोलानाथ तिवारी, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली, प्रथम संस्करण 1979।
- 3.कोश- कला, रामचंद्र वर्मा,
- 4.मानक हिंदी कोश, रामचंद्र वर्मा, संस्करण 1962
- 5.हिंदी कोश-विज्ञान का उद्भव और विकास, डॉ. युगेश्वर,
- 6.सामान्य भाषा-विज्ञान, डॉ. बाबूराम सक्सेना
- 7.हिंदी विश्व कोश, धीरेंद्र वर्मा, 1960
- 8.हिंदी सेमेटिक्स, डॉ. हरदेव बाहरी
- 9.ए हिस्ट्री ऑफ लेंग्वेज, हेनरी स्वीट
- 10.हिंदी शब्द सागर, सं. श्यामसुंदरदास, प्रथम संस्करण 1929
- 11.शब्द और अर्थ, रामचंद्र वर्मा
12. Oxford English Dictionary, J.A.H. Murray, 1928
- 13.पारिभाषिक शब्द-संग्रह, भारत सरकार प्रकाशन, 1952
14. एनसाइक्लोपीडिया ब्रिटैनिका, खण्ड-7
15. दि इवोल्यूशन ऑफ इंग्लिश लेक्सिकोग्राफी, जे.ए.एच.मुरे
- 16.अनुवाद की सामाजिक भूमिका, डॉ. रीतारानी पालीवाल, हिंदी बुक सेंटर,दिल्ली, सं. 2003

Pattern of Examination / परीक्षा का पैटर्न :

(Internal Examinations and End-Semester Exam details and evaluation pattern)

आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा : अंक-40

{लिखित (अंक-10), मौखिक (अंक-10), सेमिनार (अंक-10) में से किन्हीं दो परीक्षाओं में अर्जित सर्वोच्च अंकों का योग ($10+10=20$) + प्रदत्त कार्य (Assignment) के अंक-20}

सत्रांत परीक्षा : अंक-60



हैदराबाद विश्वविद्यालय
University of Hyderabad
School of Humanities
Department of Hindi

Syllabus of the course

Course : M.A. Hindi Language and Literature (with specialization in Functional Hindi and Translation)

Semester : 4

Course No. : HF 533

Title of the Course : English- Hindi : Contrastive Grammar

(अंग्रेज़ी-हिन्दी : व्यतिरेकी व्याकरण)

Session : Jun –Nov

Core/Optional : Core

No. of Credits : 4 (Four)

Lectures : 4 session / week (1hour/session)

Course Instructor : Prof. R.S. Sarraju

Phone Number / Email : rssarraju@gmail.com

Introduction/ परिचय :

इस पाठ्यक्रम में व्यतिरेकी विश्लेषण पद्धति के आधार पर अंग्रेज़ी और हिन्दी संरचनाओं का अध्यापन किया जाता है। इस पाठ्यक्रम का मूल उद्देश्य विद्यार्थियों को अंग्रेज़ी और हिन्दी दोनों भाषाओं की सहज अभिव्यक्तियों, मुहावरों, संरचना-नियमों और भाषा-व्यवहार के वास्तविक रूपों से परिचय कराना है ताकि वे अनुवाद करते समय सही विकल्पों का चयन कर सकें।

व्यतिरेकी विश्लेषण में दो भाषाओं की समकक्ष संरचनाओं मध्य व्यतिरेक (contrast) को स्पष्ट किया जाता है। व्यतिरेकी विश्लेषण में दोनों भाषाओं की समान संरचनाओं के बजाय उन संरचनाओं पर विशेष बल दिया जाता है जो एक-दूसरे से भिन्न होते हैं, क्योंकि ये भिन्न और असमान तत्व ही अनुवाद कार्य में बाधा उत्पन्न करते हैं। इसलिए इस पाठ्यक्रम में भाषा के सभी अंगों - जैसे : ध्वनि, लिपि, संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रियाविशेषण, वाक्य, वाक्य-साँचा, काल, पक्ष, वृत्ति, वयन, पुरुष, वाच्य आदि - को लेकर अंग्रेज़ी और हिन्दी की संरचनाओं का तुलनात्मक और व्यतिरेकी विश्लेषण किया जाता है।

Course outline / पाठ्यविषय :

1. संरचनात्मक भाषाविज्ञान (2 कक्षाएँ)
2. अंग्रेज़ी भाषा : ऐतिहासिक विकास (2 कक्षाएँ)
3. अंग्रेज़ी भाषा-अध्ययन की परंपरागत एवं आधुनिक पद्धतियाँ (2 कक्षाएँ)
4. भारतीय परिप्रेक्ष्य में अंग्रेज़ी तथा अंग्रेज़ी लेखन (इंडियन राइटिंग इन इंग्लीश) (2 कक्षाएँ)

5. अंग्रेज़ी की ध्वनि व्यवस्था और रोमन लिपि (2 कक्षाएँ)
6. अंग्रेज़ी संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, कारक, क्रिया, उपसर्ग, प्रत्यय (15 कक्षाएँ)
7. अंग्रेज़ी शब्द, वाक्य तथा अर्थ व्यवस्था (15 कक्षाएँ)
8. अंग्रेज़ी के विभिन्न रूप और प्रयुक्तियाँ (फंक्शनल इंग्लिश) : प्रशासन, कार्यालय, विज्ञान, तकनीकी आदि (5 कक्षाएँ)
9. सूचनात्मक एवं सृजनात्मक साहित्य की दृष्टि से अंग्रेज़ी का महत्व : भारतीय अंग्रेज़ी लेखन (इंडियन राइटिंग इन इंग्लिश) (2 कक्षाएँ)
10. अंग्रेज़ी-हिन्दी अनुवाद की कठिनाइयाँ (व्याकरण एवं संस्कृति के भेद के संदर्भ में) (5 कक्षाएँ)

Suggested Readings: सहायक ग्रंथ :

1. अंग्रेज़ी-हिन्दी अनुवाद व्याकरण - प्रो. सूरजभान सिंह, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
2. Translation and Interpreting (अनुवाद एवं भाषांतरण) - Edited by Ravinder Gargesh, Krishna Kumar Goswami, Orient Longman, New Delhi
3. अनुवाद का व्याकरण - डॉ. गर्गी गुप्त एवं डॉ. भोलानाथ तिवारी, भारतीय अनुवाद परिषद्,
4. अनुवाद विज्ञान की भूमिका - डॉ. कृष्ण कुमार गोस्वामी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. हिन्दी भाषा -भोलानाथ तिवारी
6. हिन्दी व्याकरण - कामताप्रसाद गुरु
7. भाषाविज्ञान के सिद्धांत और हिन्दी भाषा - व्दारिका प्रसाद सक्सेना
8. भाषाविज्ञान और हिन्दी - सूरजप्रसाद अग्रवाल
9. अनुवाद व्याकरण की रूपरेखा - डॉ. सुरेश कुमार, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
10. आधुनिक भाषा विज्ञान - डॉ. राजमणि शर्मा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

Pattern of Examination / परीक्षा का पैटर्न :

(Internal Examinations and End-Semester Exam details and evaluation pattern)

आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा : अंक-40

{लिखित (अंक-10), मौखिक (अंक-10), सेमिनार (अंक-10) में से किन्हीं दो परीक्षाओं में अर्जित सर्वोच्च अंकों का योग (10+10=20) + प्रदत्त कार्य (Assignment) के अंक-20}

सत्रांत परीक्षा : अंक-60



हैदराबाद विश्वविद्यालय
University of Hyderabad
School of Humanities
Department of Hindi

Syllabus of the course

Course : M.A. Hindi Language and Literature (with specialization in Functional Hindi and Translation)

Semester : 4

Course No. : HF 534

Title of the Course : Hindi Journalism and Mass Media

(हिन्दी पत्रकारिता और जमसंचार)

Session : Jun –Nov

Core/Optional : Core

No. of Credits : 4 (Four)

Lectures : 4 session / week (1hour/session)

Course Instructor : Dr. M. Shyam Rao,

Dr. M. Anjaneyulu

Phone Number / Email :msr@uohyd.ernet.in

Introduction/ परिचय :

हिन्दी पत्रकारिता और जन संचार के स्वरूप और प्रक्रिया का परिचय देते हुए इस क्षेत्र में प्रयुक्त होने वाली शब्दावली और अनुवाद की समस्याओं से अवगत करना इस पाठ्यक्रम का लक्ष्य है। पत्रकारिता और जनसंचार में प्रयुक्त होनेवाली भाषा में सूचनात्मकता और संप्रेषणीयता की अपेक्षा की जाती है। भारत के बहुभाषी पाठकों को दृष्टि में रखते हुए अक्सर पत्रकारिता के क्षेत्र में किसी एक स्रोत से सूचनाओं का संग्रह करने बाद उनको अलग-अलग भाषाओं के समाचार पत्रों में प्रकाशित करने हेतु अनुवाद किया जाता है। ऐसी स्थिति में विद्यार्थी को अंग्रेजी, हिन्दी भाषाओं में परस्पर अनुवाद को दृष्टि में रखते हुए अनुवाद की समस्याओं का परिचय दिया जाता है।

Course outline / पाठ्यविषय :

पत्रकारिता और हिन्दी पत्रकारिता

हिन्दी पत्रकारिता की शब्दावली और अनुवाद

समाचार संपादन

रिपोर्ट लेखन

फीचर लेखन, स्तंभ लेखन और अनुवाद

खेल, फिल्म, साहित्य-समीक्षा में अनुवाद की आवश्यकता

बाज़ार प्रतिवेदन और अनुवाद की समस्या

विज्ञापन और हिन्दी

रेडियो, दूरदर्शन (टेलीविज़न) तथा फिल्मों में हिन्दी

जनसंपर्क, (रेल, डाक-तार आदि) और जनसंचार माध्यमों में हिन्दी

Suggested Readings: सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी पत्रकारिता, कृष्णबिहारी मिश्र, भारती ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
2. हिन्दी पत्रकारिता का बृहद इतिहास, अर्जुन तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. हिन्दी पत्रकारिता का प्रतिनिधि संकलन, संपादन - तरुशिखा सुरजन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
4. पत्रकारिता के नये परिदृश्य, राजकिशोर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. जन संचार प्रकृति और परंपरा, प्रो. सूर्यप्रसाद दीक्षित, टाईडेंट पब्लिशर्स, दिल्ली
6. पत्रकारिता के नये आयाम, डॉ. एस.के. दुबे, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
7. हिन्दी पत्रकारिता एवं जन संचार, डॉ. ठाकुरदत्त शर्मा 'आलोक', वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
8. आधुनिक पत्रकारिता चुनौतियाँ और संभावनाएँ, डॉ. अशोक कुमार शर्मा, डॉयमंड पॉकेट बुक्स, नई दिल्ली
9. पत्रकारिता के आधुनिक चरण, कृपाशंकर चौबे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
10. नए जनसंचार के माध्यम और हिन्दी, सुधीश पचौरी, अचला शर्मा, BBC WORLD SERVICE
11. हिन्दी पत्रकारिता सिद्धांत और स्वरूप, सविता चड्ढा, श्रीसाहित्य प्रकाशन, दिल्ली
12. इन्टरनेट पत्रकारिता, सुरेश कुमार, श्रीसाहित्य प्रकाशन, दिल्ली,
13. रेडियो और दूरदर्शन पत्रकारिता, हरिमोहन, श्रीसाहित्य प्रकाशन, दिल्ली

Pattern of Examination / परीक्षा का पैटर्न :

(Internal Examinations and End-Semester Exam details and evaluation pattern)

आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा : अंक-40

{लिखित (अंक-10), मौखिक (अंक-10), सेमिनार (अंक-10) में से किन्हीं दो परीक्षाओं में अर्जित सर्वोच्च अंकों का योग (10+10=20) + प्रदत्त कार्य (Assignment) के अंक-20}

सत्रांत परीक्षा : अंक-60



हैदराबाद विश्वविद्यालय
University of Hyderabad
School of Humanities
Department of Hindi

Syllabus of the course

Course : M.A. Hindi Language and Literature (with specialization in Functional Hindi and Translation)

Semester : 4

Course No. : HF 548

Title of the Course : Translation of informative and creative literature

(सूचनात्मक एवं सर्जनात्मक साहित्य का अनुवाद)

Session : Jan –May

Core/Optional : Optional (Elective)

No. of Credits : 4 (Four)

Lectures : 4 session / week (1hour/session)

Course Instructor : Prof. RS Sarraju

Phone Number / Email : rssarraju@gmail.com

Introduction/ परिचय :

अनुवाद सिद्धांत के अलावा विद्यार्थी को अनुवाद कार्य में व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करने की आवश्यकता होती है। इस आवश्यकता को दृष्टि में रखते हुए प्रस्तुत पाठ्यक्रम में विद्यार्थी को संबंधित प्राध्यापक के निदेशानुसार सूचनात्मक और साहित्यिक पाठों का अनुवाद करना होगा (50-50 पृष्ठों का)।

Course outline and Pattern of Examination / पाठ्यविषय एवं परीक्षा का पैटर्न

संबंधित प्राध्यापक के निर्देशानुसार लगभग 100 पृष्ठों का सूचनात्मक एवं सर्जनात्मक साहित्य दोनों से संबंधित अंग्रेजी/तेलुगु अथवा अन्य किसी भारतीय भाषा से हिन्दी में अनुवाद कार्य, प्रत्येक छात्र को सत्रान्त परीक्षा के निमित्त प्रस्तुत करना होगा, इसके लिए 100 अंक निर्धारित हैं। अनुवाद कार्य, परीक्षा हेतु सजिल्द, टंकित रूप में प्रस्तुत करना होगा।



हैदराबाद विश्वविद्यालय
University of Hyderabad
School of Humanities
Department of Hindi

Syllabus of the course

Course : M.A. Hindi Language and Literature (with specialization in Functional Hindi and Translation)

Semester : 4

Course No. : HF 549

Title of the Course : Translation of social sciences and Humanities

(समाज विज्ञान एवं मानविकी साहित्य का अनुवाद)

Session : Jan –May

Core/Optional : Optional (Elective)

No. of Credits : 4 (Four)

Lectures : 4 session / week (1hour/session)

Course Instructor : Prof. RS Sarraju

Phone Number / Email : rssarraju@gmail.com

Introduction/ परिचय :

अनुवाद सिद्धांत के अलावा विद्यार्थी को अनुवाद कार्य में व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करने की आवश्यकता होती है। इस आवश्यकता को दृष्टि में रखते हुए प्रस्तुत पाठ्यक्रम में विद्यार्थी को संबंधित प्राध्यापक के निर्देशानुसार समाज विज्ञान और मानविकी पाठों का अनुवाद करना होगा।

Course outline and Pattern of Examination / पाठ्यविषय एवं परीक्षा का पैटर्न

संबंधित प्राध्यापक के निर्देशानुसार लगभग 100 पृष्ठों का समाजविज्ञान और मानविकी पाठों का अंग्रेजी/तेलुगु अथवा अन्य किसी भारतीय भाषा से हिन्दी में अनुवाद करना होगा। प्रत्येक छात्र को सत्रान्त परीक्षा के निमित्त इस अनुवाद को प्रस्तुत करना होगा। इसके लिए 100 अंक निर्धारित हैं। अनुवाद कार्य, परीक्षा हेतु सजिल्द, टंकित रूप में प्रस्तुत करना होगा।
